(d) परिमेय संख्याओं के योग पर गुणा का वितरण प्रगुण :-

यदि p/q, r/s तथा t/u कोई भी तीन परिमेय संख्याएं हैं, तो

$$p/q \times (r/s+t/u) = p/q \times r/s + p/q \times t/u$$

उदाहरण - सत्यापित कीजिये :-

$(-4/3)\times[1/2+(-7/5)] = (-4/3)\times 1/2+(-4/3)\times(-7/5)$

$(-4/3)\times[5-14]/10 = (-4\times 1)/(3\times 2)+(-4\times -7)/(3\times 5)$

$(-4/3)\times(-9/10) = (-4/6)+(28/15)$

$(-4\times -9)/3\times 10 = (-2/3)+28/15$

$36/30 = [(-2\times 10)+(28\times 2)]/30$

$6/5 = (-20+56)/30$

$6/5 = 36/30$

$6/5 = 6/5$

बायां पक्ष = दायां पक्ष

★अभ्यास हेतु प्रश्न (A)★

सत्यापित कीजिये :-

(1) $5/8\times[(-2/3)+(4/5)] = 5/8\times(-2/3) + 5/8\times 4/5$

(2) $(-3/7)\times[(3/8)+(-5/9)] = (-3/7)\times(3/8) + (-3/7)\times(-5/9)$

★ 'शून्य' एक परिमेय संख्या के रूप में :-

प्रत्येक पूर्णांक एक परिमेय संख्या है। '0' को 0/1, 0/2, 0/3, ..., 0/-1, 0/-2, 0/-3,....के रूप में व्यक्त किया जा सकता है। अर्थात्

$0=p/q$ जहाँ p=0, q पूर्णांक है तथा $q \neq 0$

★ 'शून्य' के प्रगुण :- (a) योग का तत्समक अवयव :-

किसी भी परिमेय संख्या में शून्य जोड़ें अथवा शून्य में वही परिमेय संख्या जोड़ें तो योगफल समान होता है। अर्थात्

यदि p/q कोई परिमेय संख्या हो तो $p/q+0 = 0+p/q = p/q$

उदाहरण - सत्यापित कीजिये :-

$(-2/3)+0 = 0+(-2/3)$

$(-2+0)/3 = (0-2)/3$

$-2/3 = -2/3$

बायां पक्ष = दायां पक्ष

★अभ्यास हेतु प्रश्न (B)★

सत्यापित कीजिये :-

(1) $4/5 + 0 = 0 + 4/5$ (3) $4/7 + 0 = 0 + 4/7$

(2) $(-3/5) + 0 = 0 + (-3/5)$ (4) $(-5/8) + 0 = 0 + (-5/8)$

(b) किसी परिमेय संख्या का शून्य से गुणा :-

किसी भी परिमेय संख्या और शून्य का गुणा सदैव शून्य होता है। अर्थात्

यदि p/q कोई परिमेय संख्या हो तो $p/q\times 0 = 0\times p/q = 0$

★अभ्यास हेतु प्रश्न (C)★

निम्नलिखित के मान ज्ञात कीजिये :-

(1) $(-5)\times 0$ (3) $(2/-15)\times 0$

(2) $(-8/9)\times 0$ (4) $0\times(-3/4)$

पृष्ठ संख्या 05 की उत्तरमाला :-

(A) 1. -15/56 2. 21/40 3. 18/-55 4. -35/36

(B) 1. -27/88 2. 21/44 3. 8/35 4. -25/12

(C) 1. 7/10 2. -5/4

(D) 1. 7/15 2. -15/16

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, बी0के0टी0, लखनऊ)

मिशन शिक्षण संवाद

Picture description

★ Picture Description, Chitra Varnan (चित्र-वर्णन) -

Look at this picture carefully and take a few moments to think and start writing about what is going on in this picture and what you think about that.

चित्र-वर्णन का तरीका

(1) सर्वप्रथम चित्र को ध्यान से देखना है।

(2) सम्पूर्ण चित्र किसका है यह बताना है।

(3) चित्र में कौन-कौन से क्रियाएँ हो रही हैं? उन्हें क्रम से लिखना है।

(4) फिर चित्र के माध्यम से कही जा रही बात को अपने शब्दों में समझाने का प्रयास करें।

(5) अंत में अपने विचार लिखिए।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Upasna Tyagi and S. P. Gautam

मिशन शिक्षण संवाद

प्रयोग- तकनीकी के अनुप्रयोग

👉संचार के माध्यम में धागा टेलीफोन

सामग्री-

1.दो कप(प्लास्टिक,पेपर,या टिन के)

2. सूती धागा (5 मीटर)

3. शांत वातावरण

बनाने की विधि-

1.दोनों कप के तले में बीचो-बीच छेद करते हैं।

2. इसी छेद में से धागे को गाँठ लगाकर बांध देते हैं।

3.तैयार है हमारा धागा टेलीफोन।

क्रियाकलाप-

1.दोनों में से एक कप आप अपने साथी को दें तथा एक स्वयं के पास रखें।

2.बातचीत के समय धागा तना हुआ और सीधा रहना चाहिए।

3.अब अपने कप को कान पर लगाएं और साथी से बात करने को कहें।

अतिरिक्त- यदि कोई तीसरा साथी भी है तो उसे बीच में से धागा पकड़ने के लिए कहें। अब ध्वनि सुनाई देने बंद हो जायेगी। इस प्रकार टेलीफोन ऊर्जा के स्थानांतरण के नियम पर कार्य करता है और ध्वनि संचार का प्रमुख माध्यम है।

उत्तरमाला-

प्रकरण(पंचम)

खाली स्थान-

1.ई-गवर्नेंस,ई-हॉस्पिटल

2.ई-कॉमर्स

प्रश्नोत्तर-

1.ई-व्यापार जो कि इंटरनेट द्वारा संचालित होता है।

2.NeGP की शुरुआत 18मई 2006 में शुरू हुई थी।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- स्वाति सचान स. अ. यूपीएस मुहारा,जखौरा,ललितपुर

तृतीय अन्विति

आश्रमे छात्राणां कृते एते नियमा आसन्.प्रातः सूर्योदयात् पूर्वम् उत्थातव्यम्ए नद्यां स्नानं कर्तव्यम्ए सन्ध्यावन्दनं करणीयम्ए ईश्वरः नमनीयः सहैव खादनीयं ततः पठनाय कक्षायां गन्तव्यम्। एतान् आश्रमनियमान् सर्वे छात्राः पालनं कुर्वन्तः आसन्।सम्प्रत्यपि आश्रमोऽयं छात्रेभ्यः श्रेष्ठं संस्कारं प्रयच्छति। तत्र जातिगतं भेदभावं विना सर्वे निवसन्ति। स्वास्थ्य.संवर्धनाय व्यायामस्यए योगस्य प्राकृतिकचिकित्सायाश्च शिक्षणं प्रचलति। स च आश्रमः त्यागं तपस्यां परोपकारम् उदारतां च शिक्षयति।

हिंदी अनुवाद

आश्रम में छात्रों के लिए ये नियम थे – प्रातः सूर्य उदय से पूर्व उठना चाहिए ,नदी में स्नान करना चाहिए ,संध्यवंदन करना चाहिए, ईश्वर को नमन करना चाहिए, एक साथ में खाना चाहिए।इसके बाद पढ़ने के लिए कक्षा में जाना चाहिए। आश्रम के इन नियमों का सभी छात्र पालन करते थे। इस समय भी यह आश्रम छात्रों को श्रेष्ठ संस्कार देता है । वहां जातिगत, भेदभाव के बिना सभी निवास करते हैं। स्वास्थ्य - संवर्धन के लिए व्यायाम का , योग का ,प्राकृतिक चिकित्सा का शिक्षण प्रचिलित है । वह आश्रम त्याग ,तपस्या ,परोपकार और उदारता की शिक्षा देता है।

शब्द - अर्थ

उत्थातव्यम् - उठना चाहिए।
कर्त्तव्यम् -करना चाहिए।
सहैव - साथ ही।
खादनीयम्-खाना चाहिए।
पठनाय -पढ़ने के लिए
गन्तव्यम्-जाना चाहिए।

गृह-कार्य

सही मिलान करो

१-सूर्योदयात् पूर्वम्	खादनीयम्
२-स्नानम्	गन्तव्यम्
३-सहैव	उत्थातव्यम्
४-पठनाय कक्षायां	कर्त्तव्यम्

प्रश्न-१ आश्रम में छात्रों के लिए क्या नियम थे?

प्रश्न-२ स्वास्थ्य -संवर्धन के लिए आश्रम में किन -किन विषयों की शिक्षा दी जाती है?

क्रमांक-5

मिशन शिक्षण संवाद

आज की गतिविधि / سرگرمی

बच्चों आज हम एक गतिविधि करेगे क्लास के ३ बच्चे आयेगे और उन तीनो मे से दिये गये चित्रोके अनुसार एक बच्चा मिर्जा ग़ालिब एक बच्चा मिर्जा तफता और एक बच्चा डाकिया बन कर स्टेज पर आयेगा।

लघुनाटिका मिर्जा ग़ालिब

अब सबसे पहले डाकिया आकर मिर्जा ग़ालिब के 🏠 पर दस्तक देगा और ग़ालिब को एक खत थैले से निकाल कर देगा।

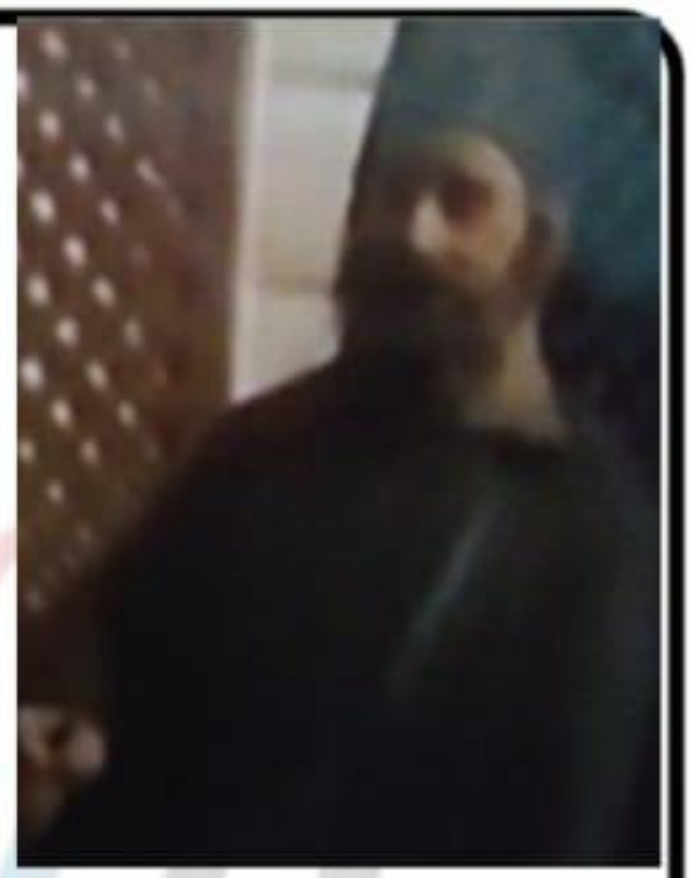

بچوں آج ہم ایک سرگرمی کریں گے درجہ کے تین بچے آئینگے اور ان تینوں میں سے ایک بچہ مرزا غالب .دوسرا بچہ مرزا تفتہ اور تیسرا بچہ ڈاکیہ کا کردار ادا کرے گا.

बच्चों अब ग़ालिब खत को हाथ में लेकर पहले पढेंगे फिर उसका जवाब लिखेगे। ग़ालिब खत को पढेगे भी जोर से और लिखते समय भी जोर से बोल कर लिखेगे।

اب سب سے پہلے ڈاکیہ آکر مرزا غالب کےدروازے پر دستک دے گا اور اپنے تھیلے سے ایک خط نکال کر مرزا غالب کو دےگا.

अब बच्चो जो बच्चा मिर्जा तफता बना है वह गालिब के खत को हाथ में लेकर जोर से पढेगा और फिर मुस्कुरायेगा। ठीक

بچوں غالب خط کو ہاتھ میں لے کر پہلے پڑہیں گے اور پھر اس کا جواب لکھیں گے غالب خط کو پڑھیں گے بھی زور سے. اور لکھتے وقت بھی زور سے بول کر لکھیں گے.

اب بچوں جو بچہ مرزا تفتہ بنا ہے وہ مرزا غالب کے خط کو ہاتھ میں لے کر پہلے پڑھیے گا اور پھر مسکرائے گا ٹھیک

नोट

बच्चों ये सब हमे ड्रामाई अंदाज़ में करना है। जैसे हम टी़ वी पर नाटक देखते हैं बिल्कुल हमे ऐसे ही ये लघुनाटिका को पैश करना है ठीक। और हां बच्चों इसके लिए पहले हमे ग़ालिब के लिखे ख़त को खूब याद करना है।

जो बच्चा किरदार बहुत अच्छे से करेगा उसके लिए 👏👏👏🌹🌹🌹🌹🌹

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तसलीम जहाँ कम्पोजिट स्कूल दुर्वेशपुर

1-यूरोपिय मसालों का प्रयोग स्वाद के लिए नहीं बल्कि माँस को सडने से बचाने के लिए करते थे। जिससे माँस को कई महीनों तक सुरक्षित रखा जा सके।

2-पुर्तगाल, इंग्लैण्ड, फ्रांस, हालैण्ड आदि यूरोपीय देशों का क्षेत्रफल, जनसंख्या व संसाधन भारत के एक प्रांत उत्तर प्रदेश के क्षेत्रफल, जनसंख्या व संसाधनों की तुलना में कम है। ये देश भारत से हजारों किमी की दूरी पर हैं। इसके बावजूद यूरोपीय देश भारत पर अपना आधिपत्य स्थापित करने में सफल हुए। इसका मुख्य कारण वहां पर हुई औद्योगिक क्रांति थी।

3-जिस समय यूरोपीय देशों में तकनीकी विकास जैसे घड़ी, छपाई के लिए प्रेस, तोप एवं बंदूक आदि बनाए जा रहे थे उस समय हमारे देश के शासक इनसे अनभिज्ञ व अपरिचित थे।

4-धनी व्यापारियों ने पैसा उधार देने के लिए बैंक की स्थापना की। इसके लिए वे शुल्क लेते थे जिसे ब्याज कहते थे। लोग अपना धन बैंकों में सुरक्षित रखते थे। पहला बैंक इटलीवासियों का था।

5-आज यूरोप के समस्त देश यूरोपियन यूनियन में संगठित हो गये हैं और आर्थिक रूप से एक शक्ति के रूप में उभरकर आ रहे हैं।

अभ्यास कार्य

प्रश्न नं.1 फ्रांस देश किस महाद्वीप में स्थित है?
प्रश्न नं.2 मांस को सड़ने से बचाने के लिए यूरोपवासी क्या प्रयोग करते थे?
प्रश्न नं.3 पैसा उधार देने के लिए किसकी स्थापना की गई?

उत्तरमाला क्रमांक:-5

उत्तर नं.1 साम दाम दंड भेद।
उत्तर नं.2 फरमान।
उत्तर नं.3 कैप्टन हॉकिंस।
उत्तर नं.4 1608।
उत्तर नं.5 1615।
उत्तर नं.6 दस्ताने, बग्गी।

बच्चों, आओ समझें-

विषय- हिन्दी पाठ- 2 कक्षा -8

प्रकरण- काकी क्रमांक- 6

मिशन शिक्षण संवाद

भाषा की बात

. 1'श्यामू पतंग के लिए बहुत उत्कंठित था।' वाक्य में 'श्यामू' और 'पतंग' संज्ञा शब्द हैं। 'श्यामू' व्यक्तिवाचक और 'पतंग' जातिवाचक संज्ञा है। नीचे लिखे वाक्य में आये संज्ञा पदों को पहचान कर लिखिए तथा उनके भेद बताइए।
एक जगह खूँटी पर विश्वेश्वर का कोट टँगा था।

उत्तर -जगह-जातिवाचक संज्ञा ,खूंटी-जातिवाचक संज्ञा ,विश्वेश्वर-व्यक्तिवाचक संज्ञा कोट-जातिवाचक संज्ञा।

प्रश्न 3. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताइए और अपने वाक्यों में उनका प्रयोग कीजिए। (वाक्य प्रयोग करके)
उत्तर -कुहराम मचना: (बहुव्र शोर शराबा होना।) रेल-दुर्घटना की खबर सुनकर रेलयात्रियों में कोहराम मच गया।
हृदय का खिलना: (बहुत प्रसन्न होना।) परीक्षा में प्रथम श्रेणी में पास होने की खबर सुनकर रमेश का हृदय खिल उठा।
रहस्य खोलना: (भेद बता देना।) चोरी का रहस्य खुल जाने पर पुलिस ने चोर को पकड़ लिया।
हतबुद्धि होना: (अचम्भे में होना।) छोटे बच्चे ने लाल कपड़ा दिखाकर रेलगाड़ी रुकवा दी। दुर्घटना होते-होते रह गई। सब यात्री हतबुद्धि हो गए।

2. जो बुद्धिवाला हो-वाक्यांश के लिए एक शब्द है-'बुद्धिमान'। इसी प्रकार नीचे लिखे वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-
(क) जिस पर विश्वास न किया जा सके- अविश्वसनीय
(ख) जिसका स्वर्गवास हो गया हो- स्वर्गवासी
(ग) जो अपने मन को एकाग्र रखता हो- एकाग्रचित्त
(घ) वह स्थान जहाँ शव जलाये जाते हों- श्मशान

अभ्यास कार्य

.4. 'समझदार' शब्द में 'समझ' संज्ञा है, उसमें 'दार' प्रत्यय लगाकर विशेषण पद बना दिया गया है। संज्ञा शब्दों में दार, इक, इत, ई, ईय, मान तथा वान आदि प्रत्ययों को लगाने से विशेषण शब्द बनता है। नीचे लिखे शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर विशेषण बनाइए -
बुद्धि, चौकी, उपद्रव, करुण, बल, प्रान्त, उत्कंठा।

इसे भी जानें

"मातृत्व महान गौरव का पद है, संसार की सबसे बड़ी साधना, तपस्या, त्याग और महान विजय है।" -मुंशी प्रेमचन्द
"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी" - वाल्मीकि रामायण।

सियारामशरण गुप्त

सियारामशरण गुप्त का जन्म 4 सितम्बर सन् 1895 ई0 को चिरगाँव झाँसी में हुआ। इन्होंने अनेक कविता-संग्रह, उपन्यास और निबन्धों की रचना की है। इनके उपन्यासों में नारी की सहनशीलता, आदर्श और सरलता है। इनकी प्रसिद्ध रचनाएँ-'मौर्य विजय', 'दूर्वादल' 'आत्मोत्सर्ग' 'गोद', 'नारी' आदि हैं। 29 मार्च सन् 1963 को इनका देहावसान हो गया।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

★परिमेय संख्याओं के गुणा की संक्रिया :-

यदि p/q तथा r/s परिमेय संख्याएं हैं तो - p/q X r/s = (pXr)/(qXs)

उदाहरण - सरल कीजिये :-
(1) (-3/5) X 4/7
= (-3X4)/5X7
= -12/35

★ अभ्यास हेतु प्रश्न (A)★

सरल कीजिये :-

(1) 5/8 X (-3/7) (2) (-3/8) X (-7/5)
(3) (3/-11) X 6/5 (4) 5/9 X (-7/4)

★परिमेय संख्याओं के गुणा की संक्रिया के प्रगुण :- (a) संवरक प्रगुण :-

यदि p/q तथा r/s परिमेय संख्याएं हों तो उनका गुणनफल (p/q X r/s) भी एक परिमेय संख्या होता है।

उदाहरण - सरल कीजिये :-
(1) (-3/8) X 2/7
= (-3X2)/(8X7)
= -6/56
= -3/28

★ अभ्यास हेतु प्रश्न (B) ★

सरल कीजिये :-

(1) 9/8 X (-3/11) (2) (-3/4) X (-7/11)
(3) (3/-7) X (-8/15) (4) (-5/6) X 5/2

(b) क्रम विनिमेय प्रगुण :-

यदि p/q तथा r/s दो परिमेय संख्याएं हैं तो - p/q X r/s = r/s X p/q

उदाहरण (1)- सत्यापित कीजिये :-
11/5 X (-8/9) = (-8/9) X 11/5
[11X(-8)]/5X9 = [(-8)X11]/9X5
-88/45 = -88/45
बायां पक्ष = दायां पक्ष

★ अभ्यास हेतु प्रश्न (C)★

सत्यापित कीजिये :-

(1) (-2/-5)X(7/4) = (7/4)X(-2/-5)
(2) (-3/2)X(5/6) = (5/6)X(-3/2)

(c) साहचर्य प्रगुण :-यदि p/q, r/s तथा t/u कोई भी तीन परिमेय संख्याएं हैं, तो (p/q X r/s) X t/u = p/q X (r/s X t/u)

उदाहरण - सत्यापित कीजिये :-
(1) [(-4/5)X(3/-7)]X2/9 = (-4/5)X[(3/-7)X2/9]
[(-4X3)/(5X-7)]X2/9 = (-4/5)X[(3X2)/(-7X9)]
(-12/35)X2/9 = (-4/5)X(6/-63)
(-12X2)/(-35X9) = (-4X6)/5X63
(-24)/(-315) = (-24)/(-315)
8/105 = 8/105
बायां पक्ष = दायां पक्ष

★ अभ्यास हेतु प्रश्न (D)★

सत्यापित कीजिये :-

(1) [(-2/-5)X(7/4)]X2/3 = (-2/-5)X[(7/4)X2/3]
(2) [(-3/2)X(5/6)]X3/4 = (-3/2)X[(5/6)X(3/4)]

पृष्ठ संख्या 04 की उत्तरमाला :-
(A) 1. 1 2. 4/5 3. -87/77 4. 3

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, बी0के0टी0, लखनऊ)

व्यापारिक छूट के प्रयास

विदेश से आने वाले व्यापारियों ने भारत में व्यापार करने के लिए साम, दाम, दंड, भेद सभी तरीके अपनाए। भारतीय राजाओं की खुशामद करते और उनको भेंट देते। जिससे प्रसन्न होकर यहां के राजाओं ने व्यापार करने की अनुमति दे दी और व्यापार करने के लिए फरमान (आदेश) जारी करते। धीरे धीरे व्यापारियों ने व्यापार पर करो में छूट भी प्राप्त कर ली।

ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने सबसे पहले अपने राजदूत कैप्टन हॉकिंस को भेजा। जो मुगल बादशाह जहांगीर के समय 1608 में आया। उसके बाद 1615 में टॉमस रो भी राजदूत बनकर जहांगीर के दरबार में आया। उसने जहांगीर को दास्ताने दिए और इंग्लैंड में चलने वाली घोड़ों की बग्घी दी। जहांगीर ने प्रसन्न होकर उसे व्यापार में छूट दे दी।

भारतीय राजाओं ने सोचा कि व्यापार में छूट से राज्य का खजाना और बढ़ेगा और व्यापार करने के लिए अधिक लोग आकर्षित होंगे।दूसरी तरफ उनके मन में यह भी था कि यूरोपीय शक्तियां ही पुर्तगाली नौसेना का सामना कर सकती हैं इसलिए उन्होंने अन्य कंपनियों को भी व्यापार करने की इजाजत दी। छूट को लेकर डच अंग्रेज और फ्रांसीसी कहते कि," अगर हमें छूट दोगे तभी भारत की जहाज की रक्षा करेंगे वरना मौका मिलने पर ही लूट लेंगे व डुबो देंगे।"

अभ्यास कार्य

उत्तर क्रमांक 4

उत्तर 1-सैनिक।
उत्तर 2-हालैंड।
उत्तर 3-मछलीपट्टनम, पोंदिचेरी,चंद्रनगर,माहे ।
उत्तर 4-पुर्तगाली, अंग्रेज, डच, फ़्रांसीसी।
उत्तर 5-पुर्तगाल।

प्रश्न 1 व्यापारियों ने व्यापार के लिए कौन से तरीके अपनाए?
प्रश्न 2 व्यापारिक अनुमति के लिए बादशाह कौन सा आदेश जारी करता था?
प्रश्न 3 जहांगीर के दरबार में आने वाला पहला ब्रिटिश राजदूत कौन था?
प्रश्न 4 कैप्टन हॉकिंस भारत कब आया?
प्रश्न 5 टामस रो भारत कब आया?

विषय- उर्दू पाठ- हमारी जबान प्रकरण- कवायद /व्याकरण की जानकारी क्रमांक 5 कक्षा -8th

मिशन शिक्षण संवाद

पाठ का पाँचवाँ भाग / حصہ

बच्चों आज हम उर्दू कवायद के बारे में जानकारी हासिल करेंगे कवायद को हिन्दी में व्याकरण कहते हैं।

بچوں آج ہم اردو قواعد کے بارے میں جانکاری حاصل کریں گے.

व्याकरण

वह विद्या है जिसके द्वारा किसी भाषा को ठीक प्रकार से लिखा तथा बोला जाता है।

वाक्य

वाक्य शब्दो का ऐसा समूह होता है जिससे कार्य पूर्ण होने का पता चलता है।

जैसे

निशा एक अच्छी लड़की है।

मुजक्किर और मोन्निस /पुल्लिंग और स्त्रीलिंग

लिंग के द्वारा संग्या के पुरूष, स्त्री या निर्जीव होने का पता चलता है।

जैसे --सुनील एक अच्छा लडका है।
सुनिता एक अच्छी लड़की है।

नीचे कुछ मुजक्किर और मोन्निस /पुल्लिंग और स्त्रीलिंग दिये जा रहे हैं उनको समझो और याद करो

अभ्यास कार्य

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
गुलाम	बान्दी
नवाब	बेगम
बैल	गाय
खाविन्द	जोरू
बाप	माँ

قواعد

قواعد وہ علم ہے. جس کے زریعے کسی زبان کو صحیح طریقے سے لکھا اور بولا جاتا ہے.

جملہ

جملہ لفظوں کا ایک ایسا گروہ ہے. جس سے کام مکمل ہونے کا پتہ چلتا ہے.

جیسے

نشا ایک اچھی لڑکی ہے.

مزکر اور مونث

یہ جنس ہے. اسم کبھی نر ہوتا ہے اور کبھی مادہ. نر کو مزکر کہتے ہیں اور مادہ کو مونث کہتے ہیں.

جیسے --رام --سنیتا وغیرہ

نیچے کچھ مزکر اور ان کے مونث دیئے جا رہے ہیں ان کو سمجھو اور یاد کرو.

گھر کا کام /

مزکر مسکو	مونث
غلام	باندی
نواب	بیگم
بیل	گائے
خاوند	جورو
باپ	ماں

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

तसलीम जहाँ कम्पोजिट स्कूल दुर्वेशपुर

परीक्षित गढ़ मेरठ

द्वितीय अन्विति

इदानीमपि तस्मिन् आश्रमे धेनवः बलीवर्दाः अश्वाः अन्ये च पशवः स्वच्छन्दं चरन्ति। वृक्षेषु कपीनां कूर्दनम्ए चटकानां कूजनम्ए मयूराणां नर्तनम् च दर्शकेभ्यः आनन्दं ददति। तस्याश्रमस्य समीपे गोमती नदी प्रवहति। तस्याः निर्मलं जलं सर्वे आश्रमवासिनः पिबन्ति स्म। आश्रमे पशवः पक्षिणश्च विरोधं विहाय एकस्मिन् घट्टे पानीयम् पिबन्ति स्मए एकत्र वसन्ति स्मए तत्रैव खादन्ति स्म

अर्थ

इस समय भी उस आश्रम में गायें,बैल, घोड़े और अन्य पशु स्वतन्त्रता से चरतें हैं। पेड़ों पर बंदरों का कूदना,चिड़ियों का चहकना और मोरों का नाचना दर्शकों को आनन्द देता है। उस आश्रम के निकट गोमती नदी बहती है।उसका निर्मल जल सभी आश्रमवासी पीते थे। आश्रम में पशु और पक्षी विरोध छोड़ कर एक ही घड़े का पानी पीते थे, मिलकर रहते थे और वहीं खाते थे।

शब्द - अर्थ

धेनवः -गायें
बलीवर्दः- बैल
अश्वाः - घोड़े
कपीनां -बन्दरों
चटकानां-चिड़ियों का
मयूराणां – मोर

गृह कार्य

प्रश्न -१आश्रम के समीप कौन सी नदी बहती है?
प्रश्न-२वृक्षों पर कौन कूदते हैं?

उ०-१-गोमती नदी।
उ०-२-बन्दरों।

प्रश्न -३ पाठ में आये दो जानवरों व दो पक्षियों के नाम संस्कृत में लिखो।

क्रमांक ५

व्याख्या क्रमांक -5

पहले दिन की ही तरकीब से दूसरे दिन फिर उसने पिता के कोट से एक रुपया निकाला। ले जाकर भोला को दिया और बोला, 'देख भोला, किसी को मालूम न होने पाये। अच्छी-अच्छी दो रस्सियाँ मँगा दे।
एक रस्सी छोटी पड़ेगी। जवाहिर भैया से मैं एक कागज पर 'काकी' लिखवा लूँगा। नाम लिखा रहेगा तो पतंग ठीक उन्हीं के पास पहुँच जायेगी।'
दो घंटे बाद प्रफुल्ल मन से श्यामू और भोला अँधेरी कोठरी में बैठे हुए पतंग में रस्सी बाँध रहे थे। अकस्मात् उग्र रूप धारण किये हुए विश्वेश्वर शुभ कार्य मंे विघ्न की तरह वहँा जा घुसे। भोला और श्यामू को धमका कर बोले- 'तुमने हमारे कोट से रुपया निकाला है?'
भोला एक ही डाँट में मुखबिर हो गया। बोला, 'श्यामू भैया ने रस्सी और पतंग मँगाने के लिए निकाला था।'
विश्वेश्वर ने श्यामू को दो तमाचे जड़कर कहा, 'चोरी सीख कर जेल जायेगा! अच्छा, तुझे आज अच्छी तरह बताता हूँ।'
कहकर कई तमाचे जड़े और कान मलने के बाद पतंग फाड़ डाली। अब रस्सियांे की ओर देखकर पूछा 'ये किसने मँगायी।'
भोला ने कहा, 'इन्होंने मँगायी थी। कहते थे, इससे पतंग तानकर काकी को राम के यहाँ से नीचे उतारेंगे।'
विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वहीं खड़े रह गये। उन्होंने फटी हुई पतंग उठाकर देखी। उस पर चिपके हुए कागज पर लिखा था .....'काकी'।

संदर्भ व प्रसंग - पूर्ववत

भोला के कथनानुसार श्यामू ने पिता के कोट से रुपए निकालकर मोटी रस्सी मंगाई।उसने जवाहिर से कागज पर ' काकी ' लिखवाया ताकि पतंग ठीक काकी के पास पहुंच जाय। रुपए की चोरी के कारण श्यामू की पिटाई हुई और विश्वेश्वर ने पतंग फाड़ दी। रस्सियों के बारे में पूछने पर भोला ने बताया कि श्यामू रस्सियों से पतंग तानकर काकी को राम के यहां से नीचे उतारेगा।
हतबुद्ध विश्वेश्वर ने फटी पतंग पर चिपके कागज पर लिखा देखा - काकी।

उत्तरमाला क्रमांक -4

उत्तर -1 श्यामू ने भोला के सामने पतंग को उपर राम के यन्हा भेजने का रहस्य खोला।इससे काकी राम के यन्हा से नीचे उतरेगी यह बात बताई।

उत्तर -2 श्यामू ने जवाहिर भैया से ' काकी ' इसलिए लिखवाया ताकि पतंग सीधे काकी को मिले

उत्तर -3 श्यामू का हृदय इसलिए एकदम खिल उठा कि उसके दिमाग में एक युक्ति आई कि मै भी आसमान में पतंग तानकर काकी को नीचे उतारूंगा।

अभ्यास कार्य

प्रश्न 1- 'भोला एक ही डांट से मुखबिर हो गया इस वाक्य से क्या तात्पर्य है?

प्रश्न2- रस्सी से पतंग तानकर काकी को नीचे उतारेंगे।भोला से यह बात सुनकर विश्वेश्वर हतबुद्ध क्यों हो गए?

प्रश्न3- कहानी के आधार पर तीन सवाल बनाइए।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- बिभा सिंह kgbv राजगढ़ मिर्ज़ापुर 9458278429

विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति

व्यापार एवं वाणिज्य क्षेत्र में

•व्यापार से अर्थ है क्रय-विक्रय तथा वाणिज्य से अर्थ है धन प्राप्ति के उद्देश्य से वस्तुओं का क्रय-विक्रय किया जाना।

•पहले वस्तुओं के बदले दूसरा सामान फिर धातु,,सिक्के,बिल अथवा पत्र मुद्रा का चलन था।

•मुद्रा के अविष्कार के बाद व्यापार में सरलता आई।

•आधुनिक युग में प्लास्टिक मनी अर्थात क्रेडिट तथा डेबिट कार्ड का प्रयोग व्यापार में होने लगा।

•नवीनतम तकनीक के अंतर्गत ई-व्यापार इन्टरनेट के माध्यम से संचालित होता है।

•अमेज़न, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील आदि ई-कामर्स कंपनियां हैं।

राष्ट्रीय इ-गवर्नेंस योजना
National e-Governance Plan

एक कदम आपकी ओर
एक कदम आपके लिए

ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में-

•इसके अंतर्गत शासकीय सेवायें और सूचनाएं ऑनलाइन उपलब्ध होती हैं।

•विद्यालय में दाखिला, बिल भरना, आय,जाति प्रमाण पत्र बनवाने जैसी मूलभूत सुविधाएं हिंदी में भी उपलब्ध हैं।

•NeGP (राष्ट्रीय ई-शासन) की शुरुआत 18 मई 2006 में सम्पूर्ण भारत में की गई, जिसके अंतर्गत साझा सेवा केंद्र (CAC) स्थापित किये गए हैं। यहां से आमजन तक सुविधाएं सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं।

•डिजिटल इंडिया के तहत ई-हॉस्पिटल की भी शुरुआत की गई।

अभ्यास कार्य

खाली स्थान-

1......व..... डिजिटल भारत की देन हैं।

2. स्नैपडील व फ्लिपकार्ट आदि...... कम्पनियाँ हैं।

प्रश्नोत्तर-

1.व्यापार एवं वाणिज्य की नवीनतम तकनीक कौन सी हैं?

2. NeGP की शुरुआत कब हुई थी?

उत्तर-प्रकरण(चतुर्थ) अनवीकरणीय ऊर्जा- इन ऊर्जा स्त्रोतों के खत्म हो जाने के बाद पूर्ति नहीं की जा सकती। उदा• पेट्रोल,कोयला आदि। नवीकरणीय ऊर्जा- निश्चित अवधि के बाद जब ऊर्जा स्त्रोतों की पूर्ति की जा सके। उदा•पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा आदि।

2.कोयला,पेट्रोलियम,प्राकृतिक गैस, नाभिकीय ऊर्जा, पवन,सौर,पृथ्वी ऊर्जा आदि का प्रयोग किया जाता है।

3.अक्षय ऊर्जा के स्त्रोतों से ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरणीय क्षति से बचा जा सकता है।

मिशन शिक्षण संवाद

Noun

Definition

Noun is the name of any person , place , thing ,quality , condition and action.

किसी व्यक्ति , स्थान , वस्तु ,गुण ,दशा और कार्यकलाप के नाम को Noun कहते है.

जैसे :- Person (व्यक्ति) —>Mukesh(मुकेश)
Place (स्थान) —>Patna(पटना)
Thing (वस्तु) —>Pen (कलम)
Quality (गुण)—>Honesty (ईमानदारी)
Condition (दशा) —>Illness (बीमारी)
Action (कार्यकलाप)—> Movement(गति या चाल)

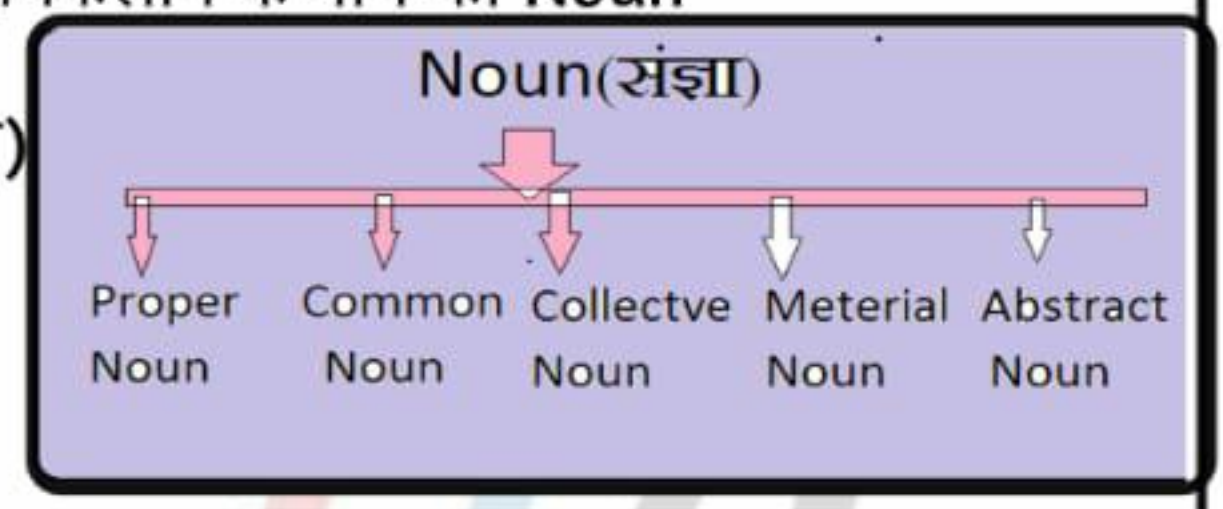

Kind of Noun

गिनती के आधार पर Noun दो प्रकार के होते है

(1)Countable Noun (गणनीय संज्ञा):-

The Noun which can be counted is called Countable Noun.

जिसको गिना जा सके उसे हम Countable Noun कहते है.जैसे- girl ,class ,table ,Ram ,apple

Countable Noun के आधार पर Noun को तीन भागो में बाटां गया है –

(1) Proper Noun (व्यक्ति वाचक संज्ञा)
(2) Common Noun (जाती वाचक संज्ञा)
(3) Collective Noun(समूह वाचक संज्ञा)

(2)Uncountable Noun (अगणनीय संज्ञा) :-

A Noun which cann't be counted is called uncountable Noun.

वैसी संज्ञा जिसको न गिना जा सके उसे uncountable noun कहते है.जैसे :- Gold (सोना) , Water (पानी) ,Oil (तेल) ,Honesty (ईमानदारी) ,etc

Uncountable Noun के मुख्य दो प्रकार होते है .

(1)Material Noun (द्रव्यवाचक संज्ञा):-
(2)Abstract Noun(भाव वाचक संज्ञा) :-

Exercise

Underline the common nouns and circle the Proper Nouns.
1 The house is on Kings Street.
2 Doyle played with her brother.
3 Frank went to Sainsbury Store last Saturday.
4 He rides bicycle very carefully.
5 Lahore Boulevard is a busy street.

Answer

Ans-1 The parts of speech explain how a word is used in a sentence.
Ans-2 There are eight parts of speech.
Ans-3 Noun is the first part of speech.
Ans-4 Interjection is the last part of speech.

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों मोर बनायें।

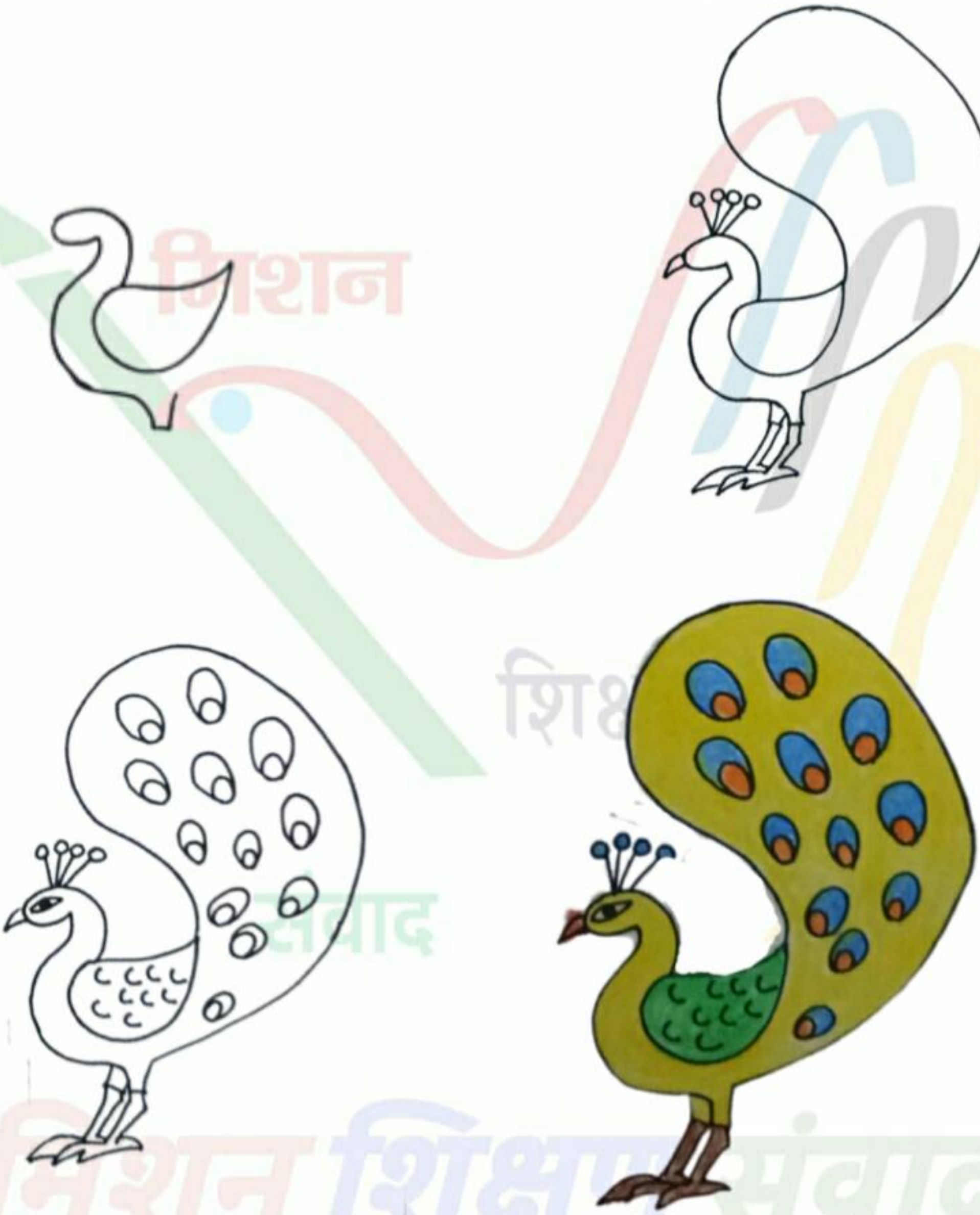

केवल अंतिम चित्र को कॉपी पर बनायें।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

9458278429

अस्माकं प्रदेशस्य सीतापुरजनपदे नैमिषारण्यं प्राचीनं तीर्थस्थलम् अस्ति। तत्र एकस्मिन् आश्रमे ऋषयः मुनयः गुरवः कवयः छात्राश्च निवसन्ति स्म। आश्रमस्य विशाले परिसरे अश्वत्थ.वट.निम्बाशोक.वृक्षाणां गहना छाया भवति स्म। तत्र फलशालिनः आम्रामलक.पनस.पेरुवृक्षाः अपि विपुलाः आसन्। एभिः वृक्षैः तत्र पर्यावरणं शुद्धमासीत्ए येन शीतलाः वायवः मन्दं.मन्दं वहन्ति स्मए काले.काले च मेघः वर्षति स्म।

हमारे प्रदेश के सीतापुर जनपद में नैमिषारण्य प्राचीन तीर्थ स्थल है । वहां एक आश्रम में ऋषि, मुनि, गुरु, कवि और छात्र निवास करते थे। आश्रम के विशाल परिसर में पीपल बरगद नीम और अशोक के वृक्षों की घनी छाया होती थी। वहां फल देने वाले आम ,आंवला ,कटहल और अमरूद के वृक्ष भी बहुत अधिक थे । इन वृक्षों के द्वारा वहां पर्यावरण शुद्ध था जिनसे शीतल वायु धीरे - धीरे बहती थी और काले - काले बादल वर्षा करते थे।

शब्द - अर्थ

पुराकाले - प्राचीनकाल में
अश्वथः - पीपल
निंब - नीम
आमलकः - आंवला
पनसः - कटहल
पेरू - अमरूद
मेघः - बादल
वट - बरगद

गृह कार्य

1-ऊपर लिखे गद्य खंड से खोज कर चार वृक्षों के नाम संस्कृत में लिखो।
2.शब्द-अर्थ याद करो।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-
abha UPS PALPUR CHAKA PRAYAGRAJ
9458278429

★परिमेय संख्याओं के घटाने की संक्रिया के प्रगुण :-

(a) संवरक प्रगुण :-

यदि p/q तथा r/s परिमेय संख्याएं हैं तो उनका अंतर (p/q - r/s) भी एक परिमेय संख्या होता है।

उदाहरण (1)- क्या परिमेय संख्या (-5/8) तथा (-3/7) का अंतर भी एक परिमेय संख्या है?

हल :- = (-5/8) - (-3/7)
= -5/8 + 3/7
= (-5X7+ 3X8)/56
= -11/56

★ अभ्यास हेतु प्रश्न (A)★

सत्यापित कीजिये :-

(1) 5/8 - (-3/8) (2) (-3/5) - (-7/5)
(3) (3/-11) - 6/7 (4) 5/4 - (-7/4)

(b) क्रम विनिमेय प्रगुण :-

यदि p/q तथा r/s परिमेय संख्याएं हैं, तो p/q - r/s ≠ r/s - p/q

उदाहरण (1)- सत्यापित कीजिये :-

11/24 - (-8/9) ≠ (-8/9) - 11/24

हल :- बायां पक्ष
= 11/24 - (-8/9)
= 11/24 + 8/9
= (33+64)/72
= 97/72

दायां पक्ष
= (-8/9) - 11/24
= (-64-33)/72
= -97/72

बायां पक्ष ≠ दायां पक्ष

★ अभ्यास हेतु प्रश्न (B) ★

सत्यापित कीजिये :-

(1) 9/8 - (-3/11) ≠ (-3/11) - 9/8
(2) (3/-7) - (-8/15) ≠ (-8/15) - (3/-7)

(c) साहचर्य प्रगुण :-

यदि p/q, r/s तथा t/u कोई भी तीन परिमेय संख्याएं हैं, तो

(p/q - r/s) - t/u ≠ p/q - (r/s - t/u)

उदाहरण (1)- सत्यापित कीजिये :-

[(3/4)-(-1/5)]-(-2/3) ≠ (3/4)-[(-1/5)-(-2/3)]

हल :- बायां पक्ष
=[3/4-(-1/5)] - (-2/3)
=[3/4+1/5] + 2/3
=(3X5+1X4)/20 + 2/3
=(15+4)/20 + 2/3
=19/20 + 2/3
=(19X3 + 2X20)/60
=(57+40)/60
=97/60

दायां पक्ष
= 3/4 - [(-1/5)-(-2/3)]
= 3/4 - [(-1/5) + 2/3]
= 3/4 - [(-1X3 + 2X5)/15]
= 3/4 - [(-3+10)/15]
= 3/4 - 7/15
= (3X15 - 7X4)/60
= (45-28)/60
= 17/60

बायां पक्ष ≠ दायां पक्ष

पृष्ठ संख्या 03 की उत्तरमाला :-
(A) 1. (-2/7) 2. 4/5 3. 3/4 4. 3
(B) 1. (-1/36) 2. -29/48 3. 9/35 4. 7/6

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, बी0के0टी0, लखनऊ)

प्रतिरक्षण (Immunity): प्रतिरक्षण का महत्व

प्रत्येक व्यक्ति में रोगों से बचाव की प्राकृतिक क्षमता होती है। जब किसी बीमारी के रोगाणु (जीवाणु या विषाणु) शरीर में प्रवेश करते हैं तो साधारणतः शरीर की प्राकृतिक क्षमता उनका मुकाबला करती है। यदि शरीर की प्राकृतिक बचाव क्षमता (प्रतिरोधक क्षमता) कम हो जाती ह,ै तो रोगग्रस्त होने की आशंका बढ़ जाती है। अतः शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बनाए और बढ़ाए रखने की आवश्यकता होती है।

शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए बहुत थोड़ी सी मात्रा में किसी रोग के रोगाणु को सुई (इन्जेक्शन) द्वारा अथवा ड्रॉप के रूप में शरीर में पहुँचाना 'प्रतिरक्षण' या 'टीकाकरण' कहलाता है। ये रोगाणु टीके के माध्यम से शरीर में पहुँचाए जाने से बच्चा जीवन भर के लिए उन रोगों के भयानक परिणामों से सुरक्षित हो जाता है। अपितु इनके कारण शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने से रोगाणु शरीर में प्रवेश कर भी जाएँ तो रोग होता ही नहीं अथवा उसका प्रभाव बहुत कम प्रकट होता है।

सभी चाहते हैं कि उनका बच्चा किसी रोग का शिकार न हो। इसके लिए बहुत जरुरी है कि उचित समय पर बच्चों को प्रतिरक्षण टीके लगवाकर घातक बीमारियों से उनका बचाव किया जाए।

प्रतिरक्षण (टीकाकरण) में सावधानियाँ

1. ध्यान देने योग्य बात यह है, कि यदि नियत समय पर टीकाकरण नहीं हो पाया है तो डॉक्टर की सलाह से टीके लगवाएँ।

2. दो टीकों के बीच का अंतर एक माह से कम नहीं होना चाहिए।

3. साधारण सर्दी, जुकाम, खाँसी, बुखार आदि होने पर टीका डॉक्टर की सलाह से लगवाना चाहिए।

प्रतिरक्षण से पूर्व की सावधानियाँ

1. टीके का पूर्ण लाभ तभी मिलता है, जब उसे समय पर लगवाया जाए।

2. टीके की सामान्य मात्रा दिलाने के बाद निर्धारित समय पर आवश्यकतानुसार उसकी बूस्टर खुराक दिलाना रोग से पूर्ण बचाव के लिए आवश्यक है।

3. टीका लगवाने से पूर्व यह देख लेना आवश्यक है कि सुई निःसंक्रमित हो तथा टीके का रखरखाव उचित हो।

प्रतिरक्षण के पश्चात् सावधानियाँ

1. टीका लगने के बाद यदि बच्चे को एक दो दिन बुखार आए या इसी तरह की अन्य कोई तक़लीफ हो तो घबराना नहीं चाहिए। ये तकलीफें प्रकट करती हैं कि टीका उचित कार्य कर रहा है अर्थात् बच्चे के शरीर में प्रतिरक्षण विकसित हो रहा है।
2. बी.सी.जी. के टीके लगवाने पर यदि 3 माह तक उस स्थान पर फफोले न पड़ें तो चिकित्सक को दिखाएं।
3. खसरे का टीका बच्चे को नौ माह से पूर्व न लगवाया जाए।

अभ्यास कार्य

1- प्रतिरक्षण किसे केहते हैं?
2- प्रतिरक्षण से पूर्व क्या क्या सावधानियाँ रखनी चाहिये?
3- प्रतिरक्षण से होने वाले दो लाभ लिखो?
4- टीकाकरण मे समय का क्या प्रभाव पड़ता है ?

फैक्ट्री (कोठी)- *कंपनी के कार्य करने वाले व्यापारी जिस कोठी में कार्य करते थे उसे फैक्ट्री कहा जाता था। कोठियों की रक्षा किलों की तरह की जाती थी जिसकी सुरक्षा के लिए यूरोपीय व्यापारियों के सशस्त्र सैनिक तैनात रहते थे।*

वास्कोडिगामा के भारत पहुँचने के बाद एक-एक करके हालैण्ड, इंग्लैण्ड और फ्रांस के व्यापारी जल के रास्ते भारत आने लगे। इस समय तक हिन्दुस्तान के किसी भी शासक ने नौसेना तैयार करने की बात सोची तक नहीं।

डच हालैण्ड के निवासी थे। इन्होंने कालीकट, कोचीन, नागापट्टम तथा चिनसूरा में व्यापारिक केन्द्र खोले।

फ्रांसीसियों ने मछलीपट्टम, पाण्डिचेरी, चन्द्रनगर, माही स्थानों में अपने व्यापार के मुख्य केन्द्र बनाये। अंग्रेजों ने अपने को केवल समुद्र तट तक ही सीमित नहीं रखा बल्कि सूरत, कैम्बे, अहमदाबाद, आगरा, भड़ौच, पटना, कासिम बाजार स्थानों पर व्यापारिक केन्द्र बनाये।

उत्तरमाला क्रमांकः-3

उत्तर स.1- पुर्तगाली।
उत्तर स.2- हिंद महासागर।
उत्तर स.3- पुर्तगाल, अंग्रेज,डच फ्रांसीसी।
उत्तर स.4- कोचीन।
उत्तर स.5- कोलकाता।

अभ्यास कार्य

प्रश्न नं.1-कोठियों की सुरक्षा कौन करता था?
प्रश्न नं.2-डच कहां के निवासी थे?
प्रश्न नं.3-फ्रांसीसियों ने अपनी फैक्ट्री कहां स्थापित की?
प्रश्न नं.4-भारत के आन भारत में कंपनियों के आने का क्रम बताइए?
प्रश्न नं.5-वास्कोडिगामा कहां का निवासी था?

विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति

ऊर्जा के क्षेत्र में-

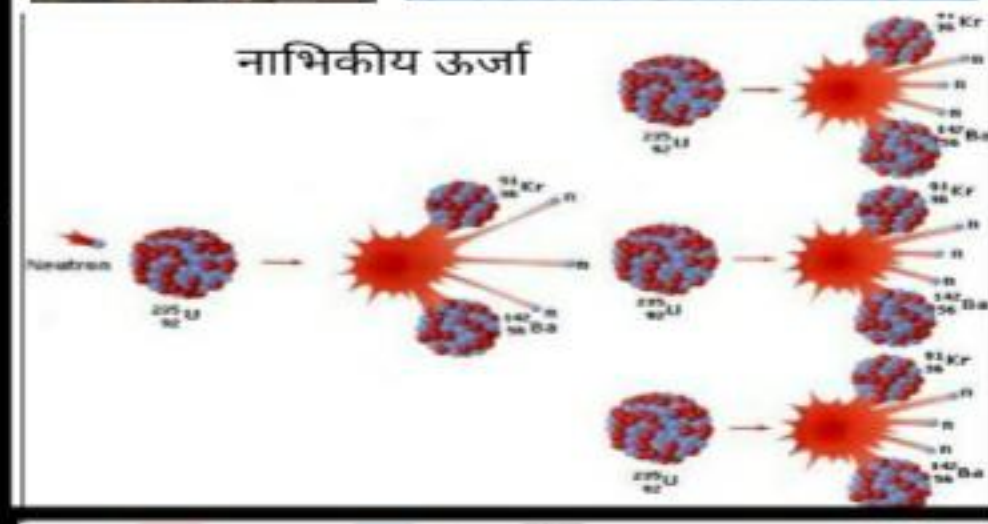

●ऊर्जा के स्रोतों के रूप में कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, नाभिकीय ऊर्जा, पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा आदि का प्रयोग किया जा रहा है।

●**नवीकरणीय ऊर्जा**- एक निश्चित अवधि के बाद कुछ स्रोतों की पूर्ति की जा सकती है,

★इन्हें अक्षय ऊर्जा स्त्रोत भी कहते हैं।

★इनके स्त्रोत पवन, सूर्य, पृथ्वी, जैव, जल,वन तथा नदी घाटी परियोजनाएं हैं।

●**अनवीकरणीय ऊर्जा**- इनकी एक बार प्रयोग होने के बाद पूर्ती नही की जा सकती है। हमारे दैनिक उपभोग की अधिकांश ऊर्जा यहीं से प्राप्त होती है।

★पेट्रोल,कोयला,रसोई गैस,केरोसिन तथा नाभिकीय ऊर्जा इनके स्त्रोत हैं।

●अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरणीय क्षति से बचा जा सकता है।

●सौर ऊर्जा सबसे कम प्रदूषणकारी नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोत है।

●जवाहलाल नेहरू राष्ट्रिय सौर ऊर्जा मिशन योजना की शुरुआत देश को सौर ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक नेता स्थापित करना है।

अभ्यास कार्य

प्रश्नोत्तर-

1.नवीकरणीय तथा अनवीकरणीय ऊर्जा में अंतर बताइये?

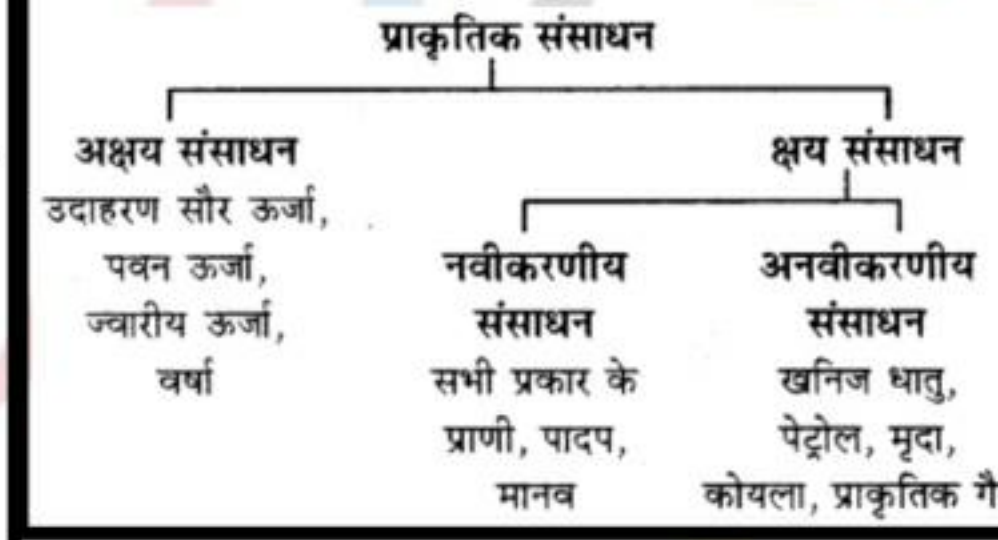

2.ऊर्जा के स्रोतों के रूप में किनका प्रयोग किया जाता है?

3.अक्षय ओइर्ज के स्त्रोतों के मुख्य लाभ क्या हैं?

उत्तरमाला प्रकरण-3

खली स्थान-

1.मेट्रो रेल, बुलेट रेल, मोनो रेल

2.कच्चे माल

जोड़े मिलान-

1-4,2-1,3-2,4-3

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- स्वाति सचान स.अ. यूपीएस मुहारा, जखौरा, ललितपुर

Parts of speech

When we write or speak a sentence, we need a group of words to use together in a specific manner. Here, every single word in the sentence is given a name i.e. Noun, Pronoun, Verb, Adjective etc.

To understand the sequence of words so that the sentence delivers the correct message these words are categorized in 8 categories, which are called the "Parts of Speech".

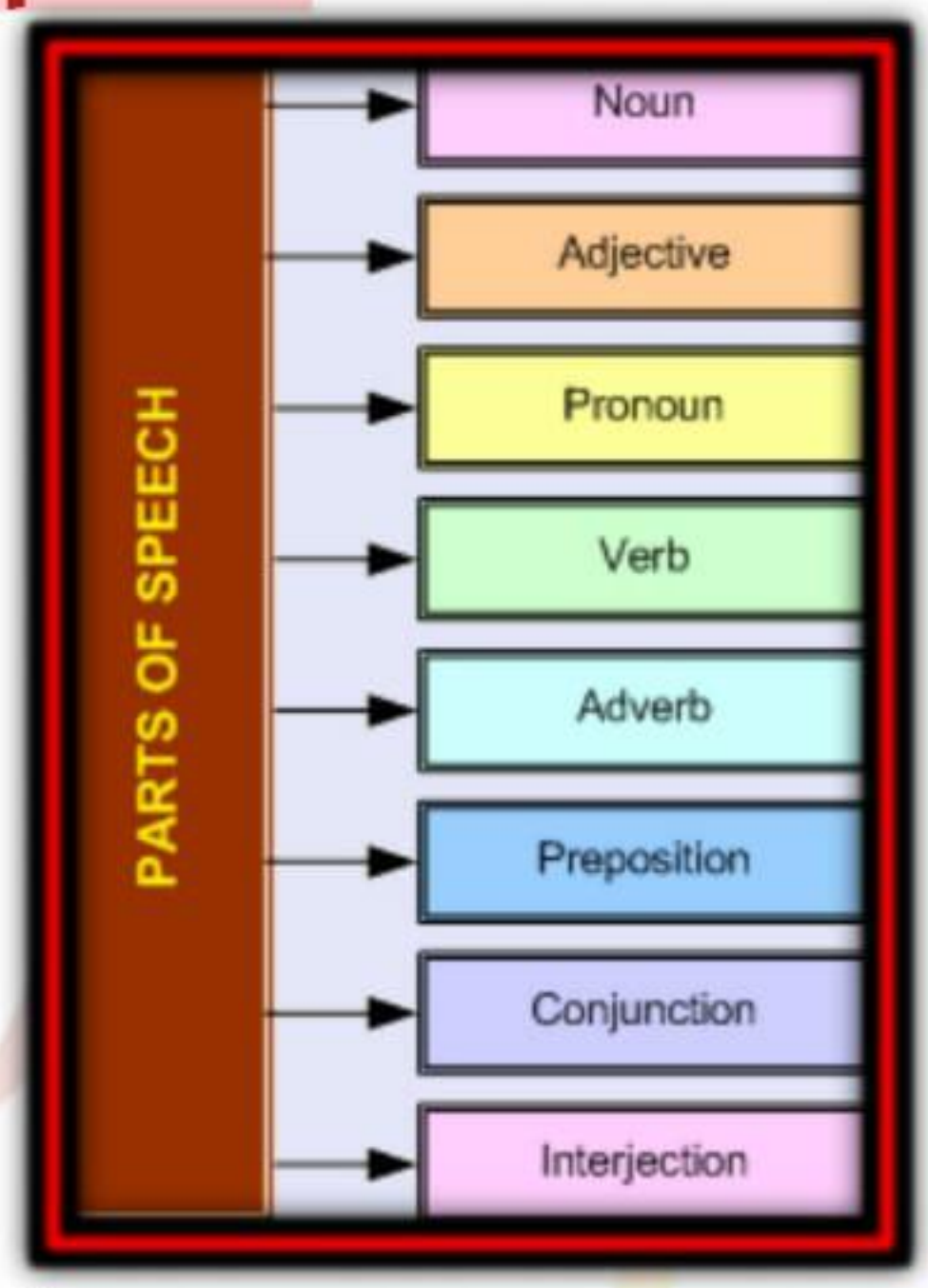

हिंदी में PARTS OF SPEECH या शब्दों के भेद यहाँ पढ़ें

वाक्य में प्रयोग के अनुसार शब्दों (Words) को भिन्न-भिन्न भागों में विभाजित किया जाता है। इन्हें शब्द-भेद (Parts of speech) कहते हैं।

Parts of speech आठ प्रकार के होते हैं-

1- Noun (संज्ञा)
2- Pronoun (सर्वनाम)
3- Adjective (विशेषण)
4- Verb (क्रिया)
5- Adverb (क्रिया-विशेषण)
6- Preposition (सम्बंधसूचक शब्द)
7- Conjunction (संयोजक)
8- Interjection (विस्मयसूचक शब्द)

Exercise

Q-1 What is part of speech? Define.

Q-2 How many Parts of speech are there?

Q-3 Which is the first part of speech?

Q-4 Which is the last part of speech?

Answer

A-HOPE
B-IN
C-UP
D-GIVE
E-DESPAIR

विषय- उर्दू पाठ-हमारी जबानप्रकरण-उर्दू जबान की तारीफ कक्षा 8th

क्रमांक 4 मिशन शिक्षण संवाद

नज्म का चौथा भाग (हिस्सा)

हमने सीखा.....

उर्दू जबान की तारीफ।
सही अल्फाज के साथ नज्म पढना।
कठिन शब्द और उसके अर्थ।
नज्म के भावार्थ को समझना।

शब्द अर्थ के सही जोडे बनाइये

वुस्अत	मैल मिलाप
उखुवत	कौमी ऐकता
कौमी यगानगी	फैलाओ
रब्त व जब्त	भाई चारा
कल्चर	बडा
कारनामा	
भाषा	साथ देना
शाहकार।	सकाफत
वफादारियां	जबान

क्रमांक 3 के प्रशनो के उत्तर

✍1उर्दू जबान हमको इसलिए पसन्द है कि ये जबान हिन्दू और मुसलमानों के मेलमिलाप की जबान है और ये प्यारी जबान है।

✍2उर्दू हिन्दू और मुसलमानों के मेल से बनी है। और इसकी तरक्की मे दोनो ने ही काम किया है।

✍3उर्दू जबान ऐसी जबान है जिसे हर आदमी समझ लेता है। चाहे वो किसी भी मज़हब का क्यों न हो। इसलिए उर्दू जबान से हिन्दुस्तानी कौमो को बहुत फायदा पहुंचा है।

✍4उर्दू जबान मुल्क के मेलजोल से बनी है। इस जबान में हर जबान के अल्फाज शामिल हैं। किसी जबान से उर्दू को कोई बैर नही। हमारे कल्चर का दारोमदार भी इसी की जात पर है। इसलिए उर्दू को कौमो के इतिहाद का शाहकार कहा जाता है।

ہم نے سیکھا.....

اردو زبان کی تعریف.
صحیح الفاظ کے ساتھ نظم پڑھنا.
مشکل الفاظ اور اس کے معنی.
نظم کے خلاصہ کو سمجھنا.

الفاظ اور معنی کے صحیح جوڑے بنائیں.

میل ملاپ	وسعت
قومی ایکتا	اخوت
پھیلاءو	قومی یگانگی
بھائی چارا	ربط و ضبط
بڑا کارنامہ	کلچر
ساتھ دینا.	بھاشا
ثقافت	شاہکار
زبان.	وفاداریاں

پیپر 3 کے جواب

✍1اردو زبان ہم کو اس لئے پسند ہے کہ یہ زبان ہندو اور مسلمانو ں کے میل ملاپ کی زبان ہے اور یہ پیاری زبان ہے.

✍2اردوہندو اور مسلمانو ں کے میل بنی ہے اور اس کی ترقی کے لئے دونوں نے ہی کام کیا ہے.

✍3اردو زبان ایسی زبان ہے جسے ہر آدمی سمجھ لیتا ہے چاہے وہ کسی بھی مذہب کا کیوں نہ ہو. اس لئے اردو زبان سے ہندوستانی قوموں کو بہت فائدہ پہنچا ہے.

✍4اردو زبان ملک کے میل جول سے بنی ہے. اس زبان میں ہر زبان کے الفاظ شامل ہیں. کسی زبان سے اردو کو کوئی بیر نہیں. ہمارے کلچر کا دارو مدار بھی اسی کی ذات پر ہے. اس لئے اردو قوموں کے اتحاد کا شاہکار کہا جاتا ہے.

मिशन शिक्षण संवाद

Noun

Definition

Noun is the name of any person , place , thing ,quality , condition and action.

किसी व्यक्ति , स्थान , वस्तु ,गुण ,दशा और कार्यकलाप के नाम को Noun कहते है.

जैसे :- Person (व्यक्ति) —>Mukesh(मुकेश)
Place (स्थान) —>Patna(पटना)
Thing (वस्तु) —>Pen (कलम)
Quality (गुण)—>Honesty (ईमानदारी)
Condition (दशा) —>Illness (बीमारी)
Action (कार्यकलाप)—> Movement(गति या चाल)

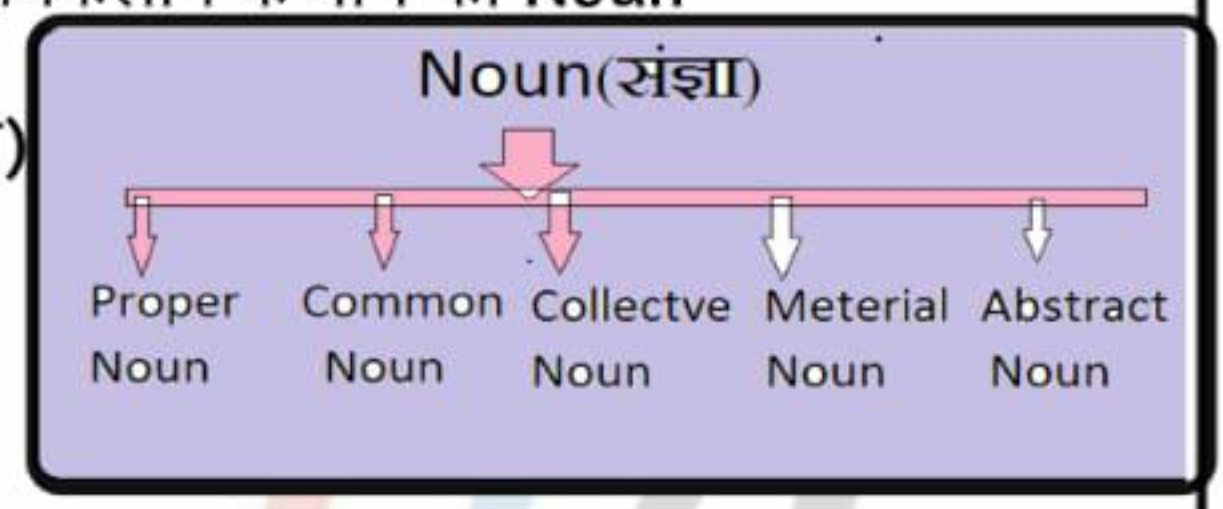

Kind of Noun

गिनती के आधार पर Noun दो प्रकार के होते है

(1)Countable Noun (गणनीय संज्ञा):-

The Noun which can be counted is called Countable Noun.

जिसको गिना जा सके उसे हम Countable Noun कहते है.जैसे- girl ,class ,table ,Ram ,apple

Countable Noun के आधार पर Noun को तीन भागो में बाटां गया है –

(1) Proper Noun (व्यक्ति वाचक संज्ञा)
(2) Common Noun (जाती वाचक संज्ञा)
(3) Collective Noun(समूह वाचक संज्ञा)

(2)Uncountable Noun (अगणनीय संज्ञा) :-

A Noun which cann't be counted is called uncountable Noun.

वैसी संज्ञा जिसको न गिना जा सके उसे uncountable noun कहते है.जैसे :- Gold (सोना) , Water (पानी) ,Oil (तेल) ,Honesty (ईमानदारी) ,etc

Uncountable Noun के मुख्य दो प्रकार होते है .

(1)Material Noun (द्रव्यवाचक संज्ञा):-
(2)Abstract Noun(भाव वाचक संज्ञा) :-

Exercise

Underline the common nouns and circle the Proper Nouns.
1 The house is on Kings Street.
2 Doyle played with her brother.
3 Frank went to Sainsbury Store last Saturday.
4 He rides bicycle very carefully.
5 Lahore Boulevard is a busy street.

Answer

Ans-1 The parts of speech explain how a word is used in a sentence.
Ans-2 There are eight parts of speech.
Ans-3 Noun is the first part of speech.
Ans-4 Interjection is the last part of speech.

क्रमांक 4

एक दिन उसने ऊपर एक पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा। पिता के पास जाकर बोला, 'काका, मुझे एक पतंग मँगा दो, अभी मँगादो।' पत्नी की मृत्यु के बाद से विश्वेश्वर बहुत अनमने से रहते थे। 'अच्छा मँगा दूंगा; कहकर वे उदास भाव से और कहीं चले गये। श्यामू पतंग के लिए बहुत उत्कंठित था। वह अपनी इच्छा को किसी तरह न रोक सका। एक जगह खूंटी पर विश्वेश्वर का कोट टँगा था। इधर-उधर देखकर उसके पास स्टूल सरका कर रखा और ऊपर चढ़कर कोट की जेबें टटोली। एक चवन्नी पाकर वह तुरन्त वहाँ से भाग गया। सुखिया दासी का लड़का भोला, श्यामू का साथी था। श्यामू ने उसे चवन्नी देकर कहा, 'अपनी जीजी से कहकर गुपचुप एक पतंग और डोर मँगा दो। देखो अकेले में लाना कोई जान न पाये। पतंग आयी। एक अँधेरे घर में उसमें डोर बाँधी जाने लगी। श्यामू ने धीरे से कहा, 'भोला, किसी से न कहो तो एक बात कहूँ। भोला ने सिर हिलाकर कहा 'नहीं, किसी से न कहूंगा । श्यामू ने रहस्य खोला, 'मैं यह पतंग ऊपर राम के यंहा भेजूंगा।, इसको पकड़ कर काकी नीचे उतरेगी। मैं लिखना नहीं जानता नहीं तो इस पर उसका नाम लिख देता। भोला श्यामू से अधिक समझदार था। उसने कहा, 'बात तो बहुत अच्छी सोची, परन्तु एक कठिनाई है। यह डोर पतली है। इसे पकड़ कर काकी उतर नहीं सकती। इसके टूट जाने का डर है। पतंग में मोटी रस्सी हो तो सब ठीक हो जाये। श्यामू गम्भीर हो गया। मतलब यह बात लाख रुपये की सुझायी गयी, परन्तु कठिनाई यह थी कि मोटी रस्सी कैसे मँगायी जाय। पास में दाम है नहीं और घर के जो आदमी उसकी काकी को बिना दया-मया के जला आये हैं, वे उसे इस काम के लिए कुछ देंगे नहीं। उस दिन श्यामू को चिन्ता के मारे बड़ी रात तक नींद नहीं आयी।

व्याख्या

संदर्भ व प्रसंग- पूर्ववत

एक दिन श्यामू ने उड़ती हुई एक पतंग देखा और वह बहुत प्रसन्न हुआ।उसने अपने पिता से एक पतंग मंगाने को कहा।पत्नी के मृत्यु के बाद से विश्वेश्वर बहुत उदास रहते थे,उन्होंने दुखी मन से कहा ठीक है।श्यामू का मन पतंग के लिए बहुत अधिर हो रहा था।वह खूटी पर टंगे पिता के कोट से एक चवन्नी निकालकर भोला के जीजी से पतंग मंगाने को कहा।पतंग आ गई अंधेरे कमरे में डोर बांधी जा रही थी,तभी श्यामू ने भोला को बताया कि यह पतंग मै ऊपर राम के भेजूंगा।इसको पकड़कर काकी नीचे आएगी।
श्यामू ने भोला को सुझाया की यह रस्सी पतली है,काकी को नीचे आने के लिए मोटी रस्सी की जरूरत है। श्यामू को भोला की बात अच्छी लगी और वह मोटी रस्सी के बारे में सोचता रहा,उसे रात भर नींद भी नहीं आई।

अभ्यास कार्य

1.श्यामू ने भोला के सामने कौन-सा रहस्य खोला ?
2. श्यामू ने जवाहिर भैया से कागज पर 'काकी' क्यों लिखवाया ?
3.उड़ती हुई पतंग को देखकर, क्या सोचकर श्यामू का हृदय एकदम खिल उठा ?

उत्तरमाला क्रमांक -3

बच्चे स्वयं करेंगे।

यूरोपीय व्यापारियों की भारत में होड़

सबसे पहले पुर्तगाली हिंद महासागर के रास्ते भारत आए इसलिए उन्होंने हिंद महासागर पर अपना प्रभुत्व जमा लिया। वह अपने देश से सोना चांदी ले आते और इसके बदले हमारे देश से सूती तथा रेशमी वस्त्र, विभिन्न मसाले आदि ले जाते थे। पुर्तगालियों की नौसेना बहुत ही सुदृढ़ थी इसलिए कोई भी देश बिना पुर्तगालियों की अनुमति के अपनी जहाज वहां से नहीं ले जा सकता था। वास्कोडिगामा के बाद धीरे धीरे हॉलैंड, फ्रांसीसी तथा ब्रिटिश आदि यूरोपीय व्यापारी भी आने लगे।

लंबी दूरी की यात्रा और व्यापर करने के लिए पर्याप्त धन अच्छे जहाज तथा अच्छे नाविक का होना बहुत आवश्यक था। सभी आने वाले व्यापारी अपनी पूंजी के अनुपात में धन लगाते और उससे होने वाले मुनाफे को आपस में बाट लेते।हर देश में अलग-अलग व्यापारिक कंपनियों की स्थापना हुई।

हॉलैण्ड में डच ईस्ट इण्डिया कंपनी, इंग्लैण्ड में ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कंपनी बनीं और फ्रांस में फ्रेंच ईस्ट इण्डिया कंपनी।

भारत में सबसे पहले पुर्तगाली व्यापार करने आए। पहला व्यापारिक केंद्र कोचीन को बनाया । उसके बाद कालीकट, गोवा, दमन दीव आदि जगह अपने व्यापारिक केंद्र बनाएं। अंग्रेजो ने व्यापारिक कोठी फोर्ट विलियम में बनाई जो कोलकाता में स्थित थी। इन व्यपारिक कोठियों को फैक्ट्री कहा जाता था।

व्यापारिककेंद्र:फोर्टविलियम,कोलकाता

यूरोपीय कम्पनियों के आगमन का क्रम-

1. पुर्तगाली (1498 ई.)
2. अंग्रेज (1600 ई.)
3. डच (1602 ई.)
4. फ्रांसीसी (1664 ई.)

अभ्यास कार्य

प्रश्न सं 1- सर्वप्रथम भारत में व्यापार के लिए कौन सी कंपनी आयी?
प्रश्न सं 2- पुर्तगालियों का किस महासागर पर प्रभुत्व था?
प्रश्न सं 3- यूरोपीय कंपनियों के आगमन का क्रम लिखिए?
प्रश्न सं 4- पुर्तगालियों ने पहली फैक्ट्री कहां स्थापित की?
प्रश्न सं 5- फोर्ट विलियम कहां था?

नज्म

नज्म का तीसरा हिस्सा (भाग)

نظم

उर्दू ही दोस्तो वतनियत की जान है।
ये याद रखो इससे उखुवत की शान है।
इसको हुआ किसी से न है रश्क और हसद।
बुग्ज और कीने से है बहुत दूर इसकी हद।
अपने है इसको सब नही कोई पराये है।
वुस्अत है दिल कि वह के सब इसमे समाये है।
है इसको सब से मेल किसी से नही है बैर।
अफसोस क्यो न हो, इसे कोई जो समझे गैर।
तारीख ए हिन्द की है वह सरताज आज तक।
है इतिहाद व अनस की मेराज आज तक।

اردو ہی دوستوں وطنیت کی جان ہے
یہ یاد رکھو اس سے اخوت کی شان ہے
اس کو ہوا کسی سے نہ ہے رشک و حسد
بغض اور کینہ سے ہے بہت دور اس کی حد
اپنے ہیں اس کو سب نہیں کوئی پرائے ہیں
وسعت ہے دل کی وہ کہ سب اس میں سمائے ہیں
ہے اس کو سب سے میل کسی سے نہیں ہے بیر
افسوس کیوں نہ ہو اسے کوئی جو سمجھے غیر
تاریخ ہند کی ہے وہ سرتاج آج تک
ہے اتحاد و انس کی معراج آج تک

नज्म का मकसद

ब्रज मोहन वातातुरया कैफी ने इस नज्म के जरिये बच्चो को पैगाम दिया है और वह पैगाम है वुस्अत और भाईचारे का, शायर इस नज्म के जरिये लोगों का रूजहान उर्दू जबान की तरफ दिलाना चाहता है। ताकि उन मे बैदारी लायी जा सके।

نظم کا مقصد

برج موہن وتاتریا کیفی نے اس نظم کے زریعے بچوں کو پیغام دیا ہے اور وہ پیغام ہے وسعت اور بہائی چارے کا. شاعر اس نظم کے زریعے لوگوں کا رجحان اردو زبان کی طرف دلانا چاہتا ہے تاکہ ان میں بیداری لائی جا سکے..

अभ्यास कार्य

प्रशनो के उत्तर दीजिये

⭐1उर्दूजबान हम को क्यों पसन्द है?
⭐2उर्दू किस तरह बनी है?
⭐3उर्दू से हिन्दुस्तानी कौम को क्या फायदा पहुंचा?
⭐4उर्दू को कौमो के इतिहाद का शाहकार क्यों कहा गया है?

مشق

سوال کے جواب دیجئے

⭐1اردو زبان ہم کو کیوں پسند ہے ؟
⭐2اردو کس طرح بنی ؟
⭐3اردو سے ہندوستانی قوم کو کیا فائدہ پہنچا ؟
⭐4اردو کو قوموں کے اتحاد کا شاہکار کیوں کہا گیا ہے ؟

नोट सभी बच्चे कॉपी पर कार्य करते समय सफाई का खास ख्याल रखेगे।

तसलीम जहाँ कम्पोजिट स्कूल दुर्वेशपुर परीक्षित गढ मेरठ

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति

●<u>परिवहन क्षेत्र</u> में सुदीर सुदूर क्षेत्रों के ग्रामीण अंचलों को मुख्य क्षेत्रों से जोड़ने के लिए व्यापक प्रगति हुई है।

●मेट्रो रेल, बुलेट रेल एवं मोनो रेल चलायी गयी है।

●पर्यावरण को बचाने के लिए ई-रिक्शा व् CNG का प्रयोग किया गया है।

●<u>विनिर्माण क्षेत्र</u> से अर्थ है कि कच्चे माल को मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित कर अधिक मात्रा में वस्तुओं का उत्पादन किया जाना।

●इसके अंतर्गत हस्तकला से लेकर उच्च तकनीकी मानवीय गतिविधियां आती हैं।

●<u>उद्योगों में</u> प्रमुखतः खनन , लौह एवं इस्पात,सीमेंट,कोयला ,पेट्रोलियम,कपडा,रत्न एवं आभूषण तथा चीनी उद्योग हैं।

●BALCO,HINDALCO,NALCO एल्युमिनियम उद्योग के प्रमुख कारखाने हैं।

●ONGC और INDIAN OIL पेट्रोलियम उद्योग के कारखाने हैं।

●मथुरा में तेल खनन की मथुरा रिफाइनरी है।

●उद्योगों के क्षेत्र में देश को अग्रणी बनाने के लिए 'मेक इन इंडिया' योजना शुरू की गयी है।

अभ्यास कार्य

<u>खाली स्थान-</u>

1.____,____व ____परिवहन के नवीन साधन हैं।

2.___को मूल्यवान उत्पाद में बदलना विनिर्माण है।

<u>जोड़े मिलान-</u>

'अ' सूची
1.एल्युमिनियम कारखाने
2.उद्योगों को प्रोत्साहन
3.हस्तकला
4.एकोफ़्रेंडली वाहन

'ब' सूची
1.मेक इन इंडिया योजना
2.विनिर्माण क्षेत्र
3.ई-रिक्शा
4.NALCO

<u>उत्तरमाला 07/07/2020</u>
एक शब्द में उत्तर-
1.पृथ्वी 2.ज़ीकाबैक
3. श्री एपीजे अब्दुल कलाम
प्रश्नोत्तरी-
1.बैलिस्टिक मिसाइल,आकाश मिसाइल,ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया गया।
2.5-6 घंटे में विश्व के किसी भी चिकित्सक से परामर्श द्वारा इलाज किया जा सकता है।
3.छिड़काव एवं ड्रिप विधि प्रयोग की जाती है।
4.हीमोडायलिसिस व अंगप्रत्यारोपण

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- स्वाति सचान स.अ. यूपीएस मुहारा,जखौरा, ललितपुर

स्वास्थ्य को व्यक्ति के स्व और उसके परिवेश से तालमेल के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। विकृति या रोग होने का कारण व्यक्ति के स्व का ब्रह्मांड के नियमों से ताल-मेल न होना है। आयुर्वेद का कर्तव्य है, देह का प्राकृतिक सन्तुलन बनाए रखना और शेष विश्व से उसका ताल-मेल बनाना।

माँ-माँ देखिए दरवाजे पर एक लड़का बैठा हुआ दरवाजा खटखटा रहा है ? उसके पैर देखिए, कितने पतले हैं, श्रुति ने अपनी मम्मी से कहा।"

श्रुति की मम्मी ने जाकर दरवाजा खोला। "अरे आदित्य आप! ओहो! मैं तो भूल ही गई थी, आज 'पोलियो दिवस' है। आओ.....आओ, मैं अभी छोटू को लाती हूँ, आप उसे 'पोलियो ड्राप' पिला दें।"

माँ ने अन्दर से श्रुति के छोटे भाई 'छोटू' को लाकर आदित्य से पोलियो की ड्राप पिलवाई।

आदित्य के जाने के बाद श्रुति ने माँ से पूछा, क्या आप इसे जानती हैं ?

"आप नहीं जानती इसे! यह आदित्य है। पास के मुहल्ले में रहता है। इसके माँ-बाप बहुत गरीब हैं। वह दसवीं कक्षा में पढ़ता है। बहुत ही होशियार है। अखबार बेचकर तथा इसी प्रकार के अन्य कार्य करके अपनी पढ़ाई का खर्च चलाता है। आज 'पोलियो दिवस' है। पाँच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई जानी है। आदित्य भी पिछले दो वर्षों से अपने रिक्शे पर घर-घर जाकर छोटे बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाता है।"

लेकिन मम्मी, आदित्य के पैर पतले एवं कमजोर क्यों हैं ?

उसे बचपन में पोलियो हो गया था, बेटा।पोलियो रोग से उसके पैरों का विकास नहीं हो पाया और वे कमज़ोर हो गए। अगर उसके माँ-बाप ने बचपन में उसे उचित समय पर पोलियो ड्रॉप पिला दी होती तो वह इस बीमारी का शिकार न होता।

"ओह! वह घर-घर जाकर दवाई क्यों पिलाता है, मम्मी ?" मैंने भी शुरु में उससे यही पूछा था। उसने हँसते हुए कहा था, "मैं नहीं चाहता कि संसार में दवा के अभाव में कोई भी पोलियो का शिकार हो। किसी के पैर मेरी तरह खराब हों, इसलिए मैं जितने ज्यादा से ज्यादा बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिला सकता हूँ, पिलाता हूँ।"

आइए जानें कि बढ़ते बच्चे को जन्म से ही उचित स्वास्थ्य एवं शारीरिक वृद्धि (विकास) हेतु किस प्रकार देखभाल की आवश्यकता होती है-

वृद्धि-निगरानी

वृद्धि-निगरानी से तात्पर्य है बच्चे के जन्म के उपरान्त उसकी निरंतर हो रही वृद्धि तथा उचित देखभाल। बढ़ते बच्चे को निरंतर कुशल देखभाल की आवश्यकता होती है। इसके अंतर्गत बच्चे के समुचित विकास हेतु रोगों से बचाने के लिए टीके आते हैं। अगर प्रारंभ से बढ़ते बच्चे की उचित देखभाल नहीं की जाती है, तो वह अनेक बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। ये बीमारियाँ आगे चलकर बच्चे का संपूर्ण जीवन कष्टमय बना देती हैं और अक्सर मौत का भी कारण बनती हैं। टिटनेस, पोलियो, तपेदिक, खसरा, डिप्थीरिया, काली खाँसी, टायफ़ाइड, हिपेटाइटिस जैसी कितनी ही बीमारियाँ बच्चे की उचित निगरानी न रख पाने के कारण होती हैं।

वृद्धि-निगरानी का महत्व

हर माता-पिता के लिए यह बहुत आवश्यक है, कि वे बच्चे को समय-समय पर निर्धारित प्रतिरक्षक टीके लगवाते रहें। ऐसा करने से बढ़ते बच्चे के शरीर का उचित विकास होता है तथा वह भविष्य में होने वाली बीमारियों से सुरक्षित हो जाते हैं।

अभ्यास कार्य

- -स्वस्थ्य से आप क्या समझते हो?
- -वृद्धि से क्या तात्पर्य है ?
- -वृद्धि निगरानी क्या है?
- -वृद्धि निगरानी का क्या महत्व है?

Activity

A number has been given to each letter of the alphabet in the table below. Read the table and decode the message. The first word has been decoded :

A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M	N	O
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
P	Q	R	S	T	U	V	W	X	Y	Z				
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26				

Example

N	E	V	E	R
14	5	22	5	18

(A)

8	15	16	5

(B)

9	14

(C)

21	16

(D)

7	9	22	5

(E)

4	5	19	16	1	9	18

Answer Sheet

Ans 1. **We should never give up in despair because there is always a hope to start everything afresh and there is a new tomorrow.**

Ans 2. **Although we commit mistakes and face failures, there is always a hope for a nextchance in our lives. We must have a strong desire to try and make our life and our world better.**

Ans 3. Match the following to complete the lines of the poem:

A	B
a chance to blot out →	our mistakes
it only takes →	a deep desire
to add a little →	sunshine
so never give up →	in despair

यूरोपीय व्यापारियों की भारत में होड़

सबसे पहले पुर्तगाली हिंद महासागर के रास्ते भारत आए इसलिए उन्होंने हिंद महासागर पर अपना प्रभुत्व जमा लिया। वह अपने देश से सोना चांदी ले आते और इसके बदले हमारे देश से सूती तथा रेशमी वस्त्र, विभिन्न मसाले आदि ले जाते थे। पुर्तगालियों की नौसेना बहुत ही सुदृढ़ थी इसलिए कोई भी देश बिना पुर्तगालियों की अनुमति के अपनी जहाज वहां से नहीं ले जा सकता था। वास्कोडिगामा के बाद धीरे धीरे हॉलैंड, फ्रांसीसी तथा ब्रिटिश आदि यूरोपीय व्यापारी भी आने लगे।

लंबी दूरी की यात्रा और व्यापर करने के लिए पर्याप्त धन अच्छे जहाज तथा अच्छे नाविक का होना बहुत आवश्यक था। सभी आने वाले व्यापारी अपनी पूंजी के अनुपात में धन लगाते और उससे होने वाले मुनाफे को आपस में बाट लेते।हर देश में अलग-अलग व्यापारिक कंपनियों की स्थापना हुई।

हॉलैण्ड में डच ईस्ट इण्डिया कंपनी, इंग्लैण्ड में ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कंपनी बनीं और फ्रांस में फ्रेंच ईस्ट इण्डिया कंपनी।

भारत में सबसे पहले पुर्तगाली व्यापार करने आए। पहला व्यापारिक केंद्र कोचीन को बनाया । उसके बाद कालीकट, गोवा, दमन दीव आदि जगह अपने व्यापारिक केंद्र बनाएं। अंग्रेजो ने व्यापारिक कोठी फोर्ट विलियम में बनाई जो कोलकाता में स्थित थी। इन व्यपारिक कोठियों को फैक्ट्री कहा जाता था।

व्यापारिककेंद्र:फोर्टविलियम,कोलकाता

यूरोपीय कम्पनियों के आगमन का क्रम-

1. पुर्तगाली (1498 ई.)
2. अंग्रेज (1600 ई.)
3. डच (1602 ई.)
4. फ्रांसीसी (1664 ई.)

अभ्यास कार्य

प्रश्न सं 1- सर्वप्रथम भारत में व्यापार के लिए कौन सी कंपनी आयी?
प्रश्न सं 2- पुर्तगालियों का किस महासागर पर प्रभुत्व था?
प्रश्न सं 3- यूरोपीय कंपनियों के आगमन का क्रम लिखिए?
प्रश्न सं 4- पुर्तगालियों ने पहली फैक्ट्री कहां स्थापित की?
प्रश्न सं 5- फोर्ट विलियम कहां था?

मिशन शिक्षण संवाद

काकी

उस दिन बड़े सवेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा घर भर में कुहराम मचा हुआ है। उसकी माँ नीचे से ऊपर तक एक कपड़ा ओढ़े हुए कम्बल पर भूमि-शयन कर रही है और घर के सब लोग उसे घेर कर बड़े करुण स्वर में विलाप कर रहे हैं।

लोग जब उसकी माँ को श्मशान ले जाने के लिए उठाने लगे, तब श्यामू ने बड़ा उपद्रव मचाया। लोगों के हाथ से छूटकर वह माँ के ऊपर जा गिरा। बोला, काकी सो रही है। इसे इस तरह उठा कर कहाँ ले जा रहे हो? मैं इसे न ले जाने दूँगा।

लोगों ने बड़ी कठिनाई से उसे हटाया। काकी के अग्नि-संस्कार में भी वह न जा सका। एक दासी राम-राम करके उसे घर पर ही सँभाले रही। यद्यपि बुद्धिमान गुरुजनों ने उसे विश्वास दिलाया कि उसकी काकी उसके मामा के यहाँ गयी है, परन्तु यह बात उससे छिपी न रह सकी कि काकी और कहीं नहीं ऊपर राम के यहाँ गयी है। काकी के लिए कई दिन लगातार रोते-रोते उसका रुदन तो धीरे-धीरे शान्त हो गया, परन्तु शोक शान्त न हो सका। वह प्राय: अकेला बैठा-बैठा शून्य मन से आकाश की ओर ताका करता।

भावार्थ

संकेत - उस दिन.................... ले जाने दूँगी।

संदर्भ - प्रस्तुत कहानी हमारी पाठ्यपुस्तक मंजरी के पाठ - काकी से लिया गया है।

इस कहानी के लेखक सियारामशरण गुप्त जी हैं।

प्रसंग - प्रस्तुत कहानी में एक अबोध बालक का अपनी माँ के प्रति गहरा प्रेम प्रकट हुआ है।

लेखक द्वारा इस कहानी में श्यामू जो कि एक अबोध बालक है उसकी माँ जिसकी मृत्यु हो गई है। घर मे शोर सुन वह जग जाता है और देखता है कि उसकी माँ को जमीन में एक कपड़ा और कम्बल ओढ़े लेटी हुई है और सभी लोग रो रहे हैं।

थोड़ी देर बाद श्यामू की माँ को शमशान ले जाने के लिये जैसे ही उठाया तो श्यामू जोर-जोर से रोते-चिल्लाते माँ के ऊपर लेट गया। उस नादान को तो यह भी मालूम नहीं था कि अब उसकी माँ इस दुनियां में नहीं रही। वह अबोध अपनी माँ से चिपककर सबसे कह रहा था कि मेरी काकी अभी सो रही है उसे कहाँ लिए जा रहे हो। मैं अपनी काकी को कहीं नहीं ले जाने दूंगा।

शब्दार्थ

कुहराम = रोना-पीटना, विलाप। भूमि-शयन = जमीन पर सोना। करुण = दीन। उपद्रव = उत्पात। अग्नि-संस्कार = मृत्यु के बाद शव को अग्नि में जलाना। रुदन = रोना।

अभ्यास-कार्य

प्रश्न 1 - संदर्भ सहित अपनी भाषा मे अर्थ लिखो।

लोगों ने बड़ी कठिनाई से उसे हटाया। काकी के अग्नि-संस्कार में भी वह न जा सका। एक दासी राम-राम करके उसे घर पर ही सँभाले रही। यद्यपि बुद्धिमान गुरुजनों ने उसे विश्वास दिलाया कि उसकी काकी उसके मामा के यहाँ गयी है, परन्तु यह बात उससे छिपी न रह सकी कि काकी और कहीं नहीं ऊपर राम के यहाँ गयी है। काकी के लिए कई दिन लगातार रोते-रोते उसका रुदन तो धीरे-धीरे शान्त हो गया, परन्तु शोक शान्त न हो सका। वह प्राय: अकेला बैठा-बैठा शून्य मन से आकाश की ओर ताका करता।

उत्तरमाला (क्रमांक-2)

उत्तर 1- कर दे, हार दे, अन्य तुकान्त शब्द है।

उत्तर 2- दु:+गति = दुर्गति, नि: + धन = निर्धन

उत्तर 3- (क) गजानन- गज के समान आनन (सिर) है जिसका अर्थात श्री गणेश (ख) पीताम्बर- पीले है अंबर (वस्त्र) जिसके, अर्थात विष्णु

(ग) चतुरानन- चार हैं आनन (मुख) जिसके ,अर्थात ब्रह्मा

उत्तर 4- कविता में 'नव' शब्द 'लय', 'ताल' 'कंठ' 'जलद' 'नभ, 'विहंग-वृंद' 'पर' और 'स्वर' शब्दों के विशेषण के रूप में आया है। इन शब्दों में विसर्ग कारेक हुआ है।

क्रमांक - 3

◆परिमेय संख्याओं पर घटाने की संक्रियाएं :- (a) जब हर समान हो -

(1) समान हर वाली परिमेय संख्याओं का अंतर = $\frac{\text{परिमेय संख्याओं के अंशों का अंतर}}{\text{समान हर}}$

(2) प्राप्त परिमेय संख्या को सरलतम रूप में लिखते हैं।

उदाहरण (1) $3/-4 - (-5/-4)$
$= (-3/4) - 5/4$
$= (-3-5)/4$
$= -8/4$
$= -2$

★ अभ्यास हेतु प्रश्न (A)★

(1) $(5/-7) - (-3/7)$ (2) $(-3/5) - (-7/5)$

(3) $(3/-8) - (9/-8)$ (4) $5/4 - (-7/4)$

(b) जब हर समान न हो -

यदि a/b और c/d मानक रूप में दो परिमेय संख्याएं हैं तो घटाने से से पूर्व उन्हें क्रमशः p/q और r/q के रूप में व्यक्त करते हैं जहां पर b और d का ल0स0 q है।

उदाहरण (1) $(-5/4) - (-5/6)$
$= -5/4 + 5/6$
$= (-15+10)/12$
$= (-5/12)$

★ अभ्यास हेतु प्रश्न (B)★

(1) $(-5/12) - (-7/18)$ (2) $(-5/16) - (-11/12)$

(3) $(3/-5) - (-6/7)$ (4) $4/15 - (-9/10)$

● संख्या रेखा द्वारा परिमेय संख्याओं पर घटाने की संक्रिया का हल :-

उदाहरण (1) $(-4/7) - (-12/7)$ $-\left(-\frac{12}{7}\right)=\frac{12}{7}$ = विस्थापन

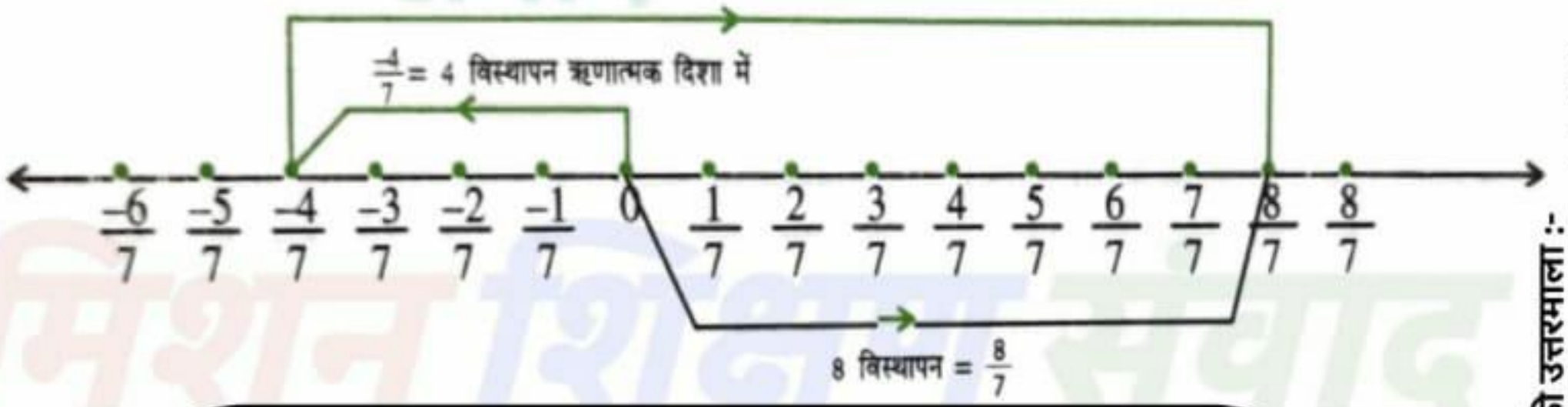

★ अभ्यास हेतु प्रश्न (C) ★

निम्न को संख्या रेखा पर प्रदर्शित कीजिये :-

(1) $(5/-9) - (-3/9)$ (2) $(-3/7) - (-5/7)$

पृष्ठ संख्या 02 की उत्तरमाला :-
(a) 1. 2/7 2. (-5/2) 3. 3/5 4. (-1/2)
अभ्यास हेतु अन्य प्रश्न स्वयं सत्यापित कीजिये।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, बी0के0टी0, लखनऊ)

मिशन शिक्षण संवाद

ॐ शं नो मित्रः शं वरुणः।शं नो भवत्वर्यमा।
शं न इन्द्रो बृहस्पतिः।शं नो विष्णुरुरुक्रमः।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

शब्दार्थ

1- ॐ- मंगलकारी शब्द
2-शं-कल्याण
3-भवतु-हो
4- नो-हमारे लिए
5-मित्रः-सूर्य देव
6-अर्यमा-सूर्य
7-वरुणः-जल देवता
8- इन्द्रः-स्वर्ग के देवता
9-बृहस्पतिः- देवताओं के गुरू
10-उरुक्रमः-विशाल पग वाले

भावार्थ

हे कल्याण स्वरूप ईश्वर! सूर्य देव हमारे लिए कल्याण बनें।वरुण देव कल्याणकारी बनें।
पुनः सूर्य देव कल्याणकारी बनें। इन्द्र देव हमारे लिए कल्याणकारी हों। गुरु बृहस्पति हमारे लिए कल्याण कारी हों।विशाल पग वाले भगवान विष्णु हमारे लिये कल्याणकारी हों।
अर्थात् सब ओर शान्ति हो,शान्ति हो,शान्ति हो।

👇इसे भी जानें

'वेद'शब्द का मुख्य अर्थ'ज्ञान' से है। वेदो की संख्या चार है-ऋगवेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। हमारी पाठ्यपुस्तक 'संस्कृत पीयूषम्' में वैदिक वन्दना के जो मंत्र संगृहीत हैं।वह 'ऋगवेद' से लिए गये हैं। इसमें स्तुति परक मन्त्रों का संकलन है।इसलिए इसे'ऋक संहिता' भी कहते हैं। इसमें ऋचाओं का संग्रह है। गद्यात्मक मन्त्रों के अभिधान को'यजुष'भी कहते हैं।इन यजुषों के आधार पर ही इस वेद का नाम'यजुर्वेद' पड़ा।

गृहकार्य- श्लोक का शुद्ध उच्चारण करके उत्तर पुस्तिका पर लिखें।
शब्दार्थ व अनुवाद याद करके लिखें।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kabu kasgani

★परिमेय संख्याओं के योग के प्रगुण :-

(a) संवरक प्रगुण :-

यदि p/q तथा r/s परिमेय संख्याएं हैं तो उनका योगफल (p/q + r/s) भी एक परिमेय संख्या होता है।

उदाहरण (1)- क्या परिमेय संख्या (-2/5) तथा (-9/10) का योगफल भी एक परिमेय संख्या है?

हल :- $= (-2/15) + (-9/10)$

$$= \frac{(-2X2) + (-9X3)}{30}$$

$= (-4-27)/30$

$= -31/30$

★ अभ्यास हेतु प्रश्न ★

(1) 5/7 + (-3/7) (2) (-3/4)+(-7/4)

(3) (3/-5) + 6/5 (4) 5/4 + (-7/4)

(b) क्रम विनिमेय प्रगुण :-

यदि p/q तथा r/s परिमेय संख्याएं हैं, तो p/q + r/s = r/s + p/q

उदाहरण (1)- सत्यापित कीजिये :-

(-5/6) + (2/7) = (2/7) + (-5/6)

हल :- बायां पक्ष

= (-5/6) + (2/7)

= (-35+12)/42

= (-23/42)

दायां पक्ष

= 2/7 + (-5/6)

= (12-35)/42

= (-23/42)

★ अभ्यास हेतु प्रश्न ★

(1) 9/7 + (-3/11) = (-3/11) + 9/7

(2) (3/-5) + (-8/15) = (-8/15) + (3/-5)

(c) साहचर्य प्रगुण :-

यदि p/q, r/s तथा t/u कोई भी तीन परिमेय संख्याएं हैं, तो

(p/q + r/s) + t/u = p/q + (r/s + t/u)

उदाहरण (1)- सत्यापित कीजिये :-

[(-2/3)+3/4]+(1/-5) = (-2/3)+[3/4+(1/-5)]

हल :- बायां पक्ष

=[(-2/3)+3/4] + (1/-5)

=[(-8)+9]/12 + (-1/5)

=(-8+9)/12 + (-1/5)

=1/12 + (-1/5)

=[5+(-12)]/60

=5-12/60

=-7/60

दायां पक्ष

=(-2/3) + [3/4+(1/-5)]

=(-2/3) + [15+(-4)]/20

=(-2/3) + (15-4)/20

=(-2/3) + 11/20

=(-40+33)/60

=-7/60

★ अभ्यास हेतु प्रश्न ★

(1) [(-4/7)+1/4] + (1/-2) = (-4/7) + [1/4+(-1/2)]

(2) [(3/-5)+(-4/15)] + 1/5 = (3/-5) +[(-4/15)+1/5]

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, बी0के0टी0, लखनऊ)

क्रमांक 2

نظم

قوموں کے اتحاد کا یہ شاہکار ہے.
کلچر کا اس کی زات پہ دارومدار ہے.
اس سے ہی ملک میں وہ رواداریان رہیں.
شیخ اور برہمن میں وفاداریاں رہیں.
بہناپا اس کو دوسری بہاشاوءن سے رہا.
اس نے کسی کو غیر نہ سمجہا کبہی زرا.

नज्म

कौमो के इतिहाद का यह शाहकार है ।
कल्चर का इस की जात पे दारो मदार है ।
इससे ही मुल्क में वह रवादारियां रहीं ।
शेख और ब्रहमन मे वफादारियां रहीं।
बहनापा इसको दूसरी भाषाओ से रहा।
इसने किसी को गैर न समझा कभी।

خلاصہ

شاعر کہتا ہے کہ اردو زبان دونوں قوموں کے میل جول کا ایک بہت بڑا کارنامہ ہے اور ہماری ثقافت اود زات کا ٹھہراءو بہی اسی زبان سے ہے اردو زبان سے ہی ملک کے ہر فرد اور قوم میں ایک دوسرے کا ساتھ دینے کا جزبہ اردو کی بدولت ہے شیخ اور برہمن میں آج تک جو وفاداریاں اور بہائی چارا ہے وہ اردو کی دین ہے اردو نے کبہی کسی دوسری زبان کو غیر نہیں سمجھا بلکہ اپنی چھوٹی بہن ہی مانا.

खुलासा

शायर कहता है कि उर्दू जबान दोनो कौमो के मेलजोल का बहुत बड़ा कारनामा है। और हमारी संस्कृति और जात का ठहराव इसी पर है। उर्दू से ही मुल्क के हर फर्द मे वफादारियां समाई हुई है आपसी भाईचारा उर्दू की ही देन हैं। उर्दू ने कभी किसी जबान को गैर नही समझा बल्कि छोटी बहन ही माना।

الفاظ معنی

کلچر	ثقافت
بہاشا	زبان
شاہکار	بڑا کارنامہ
وفاداریاں	ساتہ دینا

शब्द। अर्थ

कल्चर	सकाफत
शाहकार	बहुत बड़ा कारनामा
भाषा	जबान
वफादारियां	साथ देना

क्रमांक 1 के उत्तर

1 उर्दू जबान हिन्दू और मुसलमानों के मेलजोल से बनी है।

2 उर्दू जबान

1 اردو زبان ہندو اور مسلمانو ں کے میل جول سے بنی ہے.

2 اردو زبان

तसलीम जहाँ कम्पोजिट स्कूल दुर्वेशपुर परीक्षित मऊ मोस्क

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

समुद्री मार्ग की खोज:-

कुस्तुनतुनियाँ पर तुर्कों के अधिकार के कारण फ्रांस, ब्रिटेन, पुर्तगालियों का व्यापार ठप हो गया।
अब यूरोपवासियों ने व्यापार के लिए नये समुद्री मार्ग की खोज करना आरम्भ कर दिया। इन जगहों की खोज मात्र सम्भावनाओं के आधार पर थी, इसलिए कुछ नाविकों ने यूरोप के उभरते राज्यों के महत्वाकांक्षी राजाओं व रानियों को धन, धर्म और ध्वज के सपने दिखाये।

धन- राज्य की आमदनी के लिए खजाना इकट्ठा करना- कीमती धातु सोना, चाँदी आदि व मसालों के फायदेमंद व्यापार से कर एकत्रित करने की संभावना थी।
धर्म- ईसाई धर्म का दूर-दराज इलाकों में प्रचार-प्रसार करना।
ध्वज- यूरोप के राष्ट्रों का झण्डा दूर-दूर के उपनिवेशों पर फहराए जिससे उनका साम्राज्य बढ़ेगा।

यूरोप के राजाओं ने इन नाविकों की समुद्री यात्राओं का खर्चा वहन किया।
इनके नाविकों ने कुतुबनुमा की सहायता से रास्तों की खोज में लम्बी समुद्री यात्राएँ कीं। कुतुबनुमा के द्वारा दिशाओं का ज्ञान होता है। भारत की खोज में निकले स्पेन निवासी कोलम्बस ने अमेरिका की खोज की तथा पुर्तगाल निवासी वास्कोडिगामा अपनी लम्बी जलयात्रा के दौरान अफ्रीका के दक्षिणी छोर से होते हुए भारत के पश्चिमी समुद्र तट के कालीकट बंदरगाह पर पहुँच गया। अब पुर्तगालियों को हिन्द महासागर होते हुए पूर्वी द्वीप समूह का नया जलमार्ग मिल गया। अब यूरोप और भारत के मध्य व्यापार पुनः आरम्भ हो

आओ जाने-

कुतुबनुमा- दिशा सूचक यंत्र।
उपनिवेश- किसी दूसरे देश की सीमा में जाकर व्यापार करने और बसने को उपनिवेश कहा जाता है।

अभ्यास कार्य:-

प्रश्न नं.1-समुद्री नाविकों का खर्च वहन किसने किया?

प्रश्न नं.2-कुतुबनुमा कैसा यंत्र था?

प्रश्न नं.3- अमेरिका की खोज किसने की?

प्रश्न नं.4- कोलंबस कहां का निवासी था?

प्रश्न नं.5-कालीकट बंदरगाह तक पहुंचने वाले पुर्तगाली नाविक का नाम क्या था?

प्रश्न नं.-6-हिंद महासागर दक्षिण अफ्रीका से कौन सी दिशा में स्थित है?

क्रमांक-1 के प्रश्नों के उत्तर:-

उत्तर:1- 16वीं शताब्दी से यूरोपीय शक्तियों ने भारत आना प्रारंभ कर दिया था।

उत्तर:2- भारत और यूरोप के बीच व्यापारिक मार्गों की संख्या 3 थी।

उत्तर:3- प्रथम व्यापारिक मार्ग फारस की खाड़ी से होता हुआ समुद्री मार्ग था।

उत्तर:4- दूसरा व्यापारिक मार्ग लाल सागर से अलेक्जेंडरिया तक समुद्री मार्ग था।

उत्तर:5- वेनिस और जिनेवा प्रमुख व्यापारिक केंद्र थे।

उत्तर:6- तुर्कों ने कुस्तुन्तुनिया नगर पर अधिकार

उत्तर:7- मध्य एशिया से मिस्र और यूरोप तक स्थल मार्ग।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सुनीता यादव व सुधांशु श्रीवास्तव

वैदिक वन्दना

क्रमांक-2

पश्येम शरदः शतम्। जीवेम शरदः शतम्।।
श्रुणुयाम शरदः शतम्। प्रब्रवाम शरदः शतम्।।
अदीनाः स्याम शरदः शतम्। भूयश्च शरदः शतात्।।

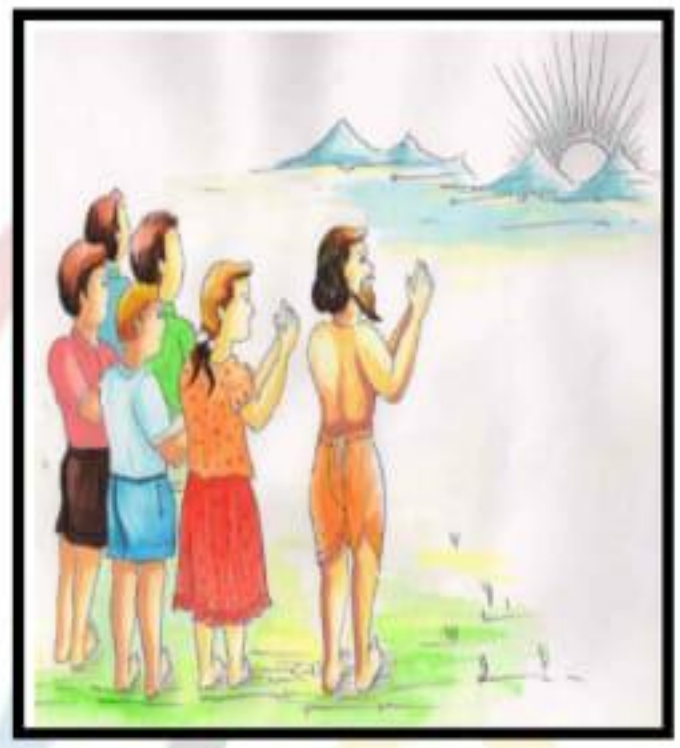

शब्दार्थाः

पश्येम=देखें। जीवेम्=जीवित रहें।श्रुणुयाम=सुनें। प्रब्रबाम= बोलें। शरदः= वर्ष। शतम्= सौ। अदीना=दीनता रहित।स्याम्=होवें। भूयश्च=और अधिक।

हिन्दी अनुवाद-

हे भगवन्! हम सौ वर्षों तक देखें। हम सौ वर्षों तक जीवित रहें।हम सौ वर्षो तक सुनें।हम सौ वर्षों तक बोलें।हम सौ वर्षों तक दीन न रहें। अर्थात हमें ये सारी स्थितियाँ सैकड़ों शरदों से भी अधिक प्राप्त हों।

गृहकार्य- श्लोक का शुद्ध उच्चारण करें। कठिन शब्दों के अर्थ व अनुवाद याद करें व लिखें।

मिशन शिक्षण संवाद

चलो सीखते हैं-

1.दिए गए चित्रानुसार माँ सरस्वती का एक स्कैच अपनी अभ्यास-पुस्तिका में बनाएं।

2. इस कविता को कंठस्थ करके भाव और लय के साथ याद कीजिये।

(यह कविता अनेक संगीतकारों द्वारा संगीतबद्ध की गयी है। अपने बडों/माता पिता अथवा शिक्षक के मोबाइल फोन पर इस कविता के संगीतबद्ध रूप को सुनें तथा उसके अनुसार गाने का अभ्यास करें।

अभ्यास प्रश्न

1. कविता में आये 'वर दे', 'भर दे' की तरह अन्य तुकान्त शब्दों को छाँटकर लिखिए।

2. ज्योतिः+मय=ज्योतिर्मय, निः+झर=निर्झर। इन शब्दों में विसर्ग का रेफ हुआ है। यह विसर्ग सन्धि है। इसी प्रकार के दो शब्द लिखिए तथा उनका सन्धि विच्छेद कीजिए।

3. विभक्ति को हटाकर शब्दों के मेल से बनने वाला शब्द समास कहलाता है। 'वीणा-वादिनि' का अर्थ है 'वीणा को बजाने वाली' अर्थात् सरस्वती। यह बहुव्रीहि समास का उदाहरण है। इसी प्रकार गजानन पीताम्बर, चतुरानन शब्दों में भी बहुव्रीहि समास है। इनका विग्रह कीजिए।

4. 'नव गति' में 'नव' गुणवाचक विशेषण है, यह गति, शब्द की विशेषता बताता है। कविता में 'नव' अन्य किन शब्दों के विशेषण के रूप में आया है, लिखिए।

उत्तरमाला (क्रमांक-1)

1. तालिका के खण्ड 'क' और खण्ड 'ख' से शब्द चुनकर शब्द-युग्म बनाइए

वीणा - वादिनि, स्वतन्त्र - रव, अन्ध - उर, विहग - वृन्द, ताल - छन्द नव, बन्धन -स्तर, अमृत - मन्त्र नव, जलद - मन्द्र रव

2. कविता में भारत के लिए वरदान मांगते हुए कहते हैं कि भारत देश मे प्रकाश की ऐसी धारा बहा दीजिये, जो सारी बुराइयों, पापों का नाश करने वाली हो।

3. पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) हे माँ सरस्वती! हमें वरदान दीजिये। हे माँ! हम सबमें नव ज्ञान रूपी अमृत-मंत्र भर दीजिये।

(ख) हे माँ सरस्वती! हमारे हृदय में स्थित अंधकार की जगह प्रकाश भरकर इसे जगमग कर दीजिये। जो सारी बुराइयों, पापों का नाश करने वाली हो।

(ग) हे माँ सरस्वती! पृथ्वी को नयी गति दीजिये, आकाश में विचरण करने वाले पक्षियों को नया स्वर दीजिये।

विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति

रक्षा एवं प्रतिरक्षा क्षेत्र में-

- DRDO रक्षा एवं प्रतिरक्षा अनुसन्धान का गठन किया गया।
- सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाईल 'पृथ्वी' व अत्याधुनिक प्रणालियों से युक्त मुख्य युद्धक टैंक 'अर्जुन'
- बैकूं बैरेज प्रणाली, विमानों के लिए फ्लाइट स्टिमुलेटर प्रमुख उपलब्धियां हैं।
- जल अभियानों के लिए सामरिक मिसाईल व आकाशीय प्रक्षेपस्त्रों का विस्तार किया गया।
- डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम को मिसाईल मैन के रूप में जाना जाता है।
- 1998 में उन्होंने पोखरण में द्वितीय परमाणु परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- रक्षा क्षेत्र में INS कोच्चि व INS अरिहंत युद्ध पोत पर प्रयोग चल रहा है।

- चिकित्सा के क्षेत्र में रेडियोग्राफी, एंजियोग्राफी, C. T., MRI, मोनोग्राफी प्रमुख तकनीकियां हैं।
- टेलीचिकित्सा में 5-6 घंटे में विश्व के किसी भी चिकित्सा विशेषज्ञ से विचार-विमर्श कर इलाज कराया का सकता है।
- नवीनतम तकनीक में प्रत्यारोपण तकनीक, हीमोडियालिसिस, प्रोस्थेसिस हैं।
- भारत ने ज़ीका विषाणु के लिए ज़ीका बैक टीके की खोज की।

1.MRI

2.टेली चिकित्सा

- कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति(खाद्यान्न उत्पादन), पीली क्रांति(तिलहन उत्पादन), भूरी क्रांति (उर्वरक उत्पादन) के लिए जानी जाती है।
- अभिनव कृषि में जैव पीड़क, कीट नियंत्रक विधि एवं नेत्रीकरण निरोधक का प्रायिग हो रहा है।
- जलाभाव होने पर छिड़काव तंत्र एवं ड्रिपविधि का प्रयोग किया जा रहा है।

अभ्यास कार्य-

प्रश्नोत्तरी
1.प्रक्षेपास्त्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत किसका प्रक्षेपण किया गया?
2.टेली चिकित्सा से क्या समझते हैं?
3.जलाभाव के स्थानों पर कृषि हेतु क्या प्रयोग किये गए हैं?
4.आधुनिक चिकित्सा पद्धति के कोई दो साधन बताइये?

एक शब्द में उत्तर दें-
1.सतह से सतह पर मारक मिसाईल____
2.ज़ीका विषाणु के लिए टीका_____
3.मिसाईल मैन ऑफ इंडिया_____

To live a little better,
And to always be forgiving
And to add a little sunshine.
To the world in which we're living

So never give up in despair,
And think you are through.
For there's always a tomorrow.
And the hope of starting anew

Poet - Helen Steiner Rice

हिन्दी अनुवाद- हमें पहले से थोड़ा बेहतर जीने की आवश्यकता है, हमेशा क्षमाशील होने की, और थोड़ी सी सूर्य-समान चमक लाने की, इस दुनिया में जहाँ हम रह रहे हैं।
इसलिए पूर्ण निराशा में भी कभी हिम्मत न हारो, और सोचो, कि तुम निराशा से निकल चुके हो। क्योंकि हमेशा एक नया कल होता है, और आशा होती है फिर से नई शुरूआत करने की।

शब्दार्थ

Live- जीवित, रहना,
Little- छोटा,
Better- अधिक अच्छा,
Forgive- क्षमा,
Always- सदैव,
Sunshine- सूर्य की चमक,
World- संसार,
Despair- पूर्ण निराशा,
Think- सोचना,
Tomorrow- आने वाला कल,
Hope- आशा।

Exercise

Q.1. Why should we never give up in despair?

Q.2. What lesson do we learn from the poem?

3. Match the following to complete the lines of the poem:

'A'	'B'
a chance to blot out	in despair
it only takes	sunshine
to add a little	a deep desire
so never give up	our mistakes

Answer Sheet

Ans1. To correct our mistakes in order to make a new beginning, we wish for another chance.
Ans2. We need to have a strong desire to try once again with all our heart, to make a brand new start
Ans 3. एक और मौका
Ans 4. Write three rhyming words for the words given below:
1. eight - date , gate , late
2. face - lace , trace, grace
3. chin - bin, grin , pin
4. new- dew, sew , few
Ans5.Antonyms-

1. Success	failure
2. old	new
3. shallow	deep
4. never	always
5. end	beginning

टॉपिक1:- व्यापारिक मार्ग

प्राचीन काल से ही भारत का विदेशों से सम्पर्क रहा है। 16वीं शताब्दी से भारत से व्यापार करने के लिए यूरोपीय शक्तियों ने भारत आना प्रारम्भ किया जिसमें पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी और ब्रिटिश प्रमुख थीं। भारत और यूरोप के मध्य व्यापार, जल और थल द्वारा होता था। इन मार्गों की संख्या तीन थी।

प्रथम मार्ग फारस की खाड़ी से होता हुआ समुद्री मार्ग था। इस मार्ग से इराक, तुर्की, वेनिस और जिनेवा से व्यापार होता था। दूसरा मार्ग लाल सागर से अलेक्जेंडरिया का था जहाँ से समुद्र द्वारा वेनिस और जिनेवा को जाया जाता था। तीसरा मार्ग मध्य एशिया से मिस्र और फिर यूरोप के लिए था।

इस प्रकार से यूरोप के सभी क्षेत्रों में भारत की वस्तुओं के वितरण के लिए वेनिस और जिनेवा प्रमुख व्यापारिक केन्द्र थे। इटली ने भारत की प्रमुख वस्तुओं के व्यापार पर अपना एकाधिकार जमाए रखने के लिए यूरोप की शक्तियों की व्यापार में हिस्सेदारी को रोक दिया।

पंद्रहवीं शताब्दी (1453 ई0) में कुस्तुनतुनियाँ पर तुर्कों ने अपना अधिकार कर लिया। अब तुर्कों ने यूरोप और भारत के मध्य पुराने सभी संचार के माध्यमों को बंद कर दिया। कुस्तुनतुनियाँ नगर व्यापार मार्ग का मुख्य द्वार था। अतः व्यापार के लिए यूरोप के व्यापारियों को कुस्तुनतुनियाँ नगर पार करना ही पड़ता था। लेकिन तुर्कों द्वारा मार्ग पर कब्जा होने के कारण यूरोप और भारत के मध्य व्यापार को बहुत धक्का लगा।

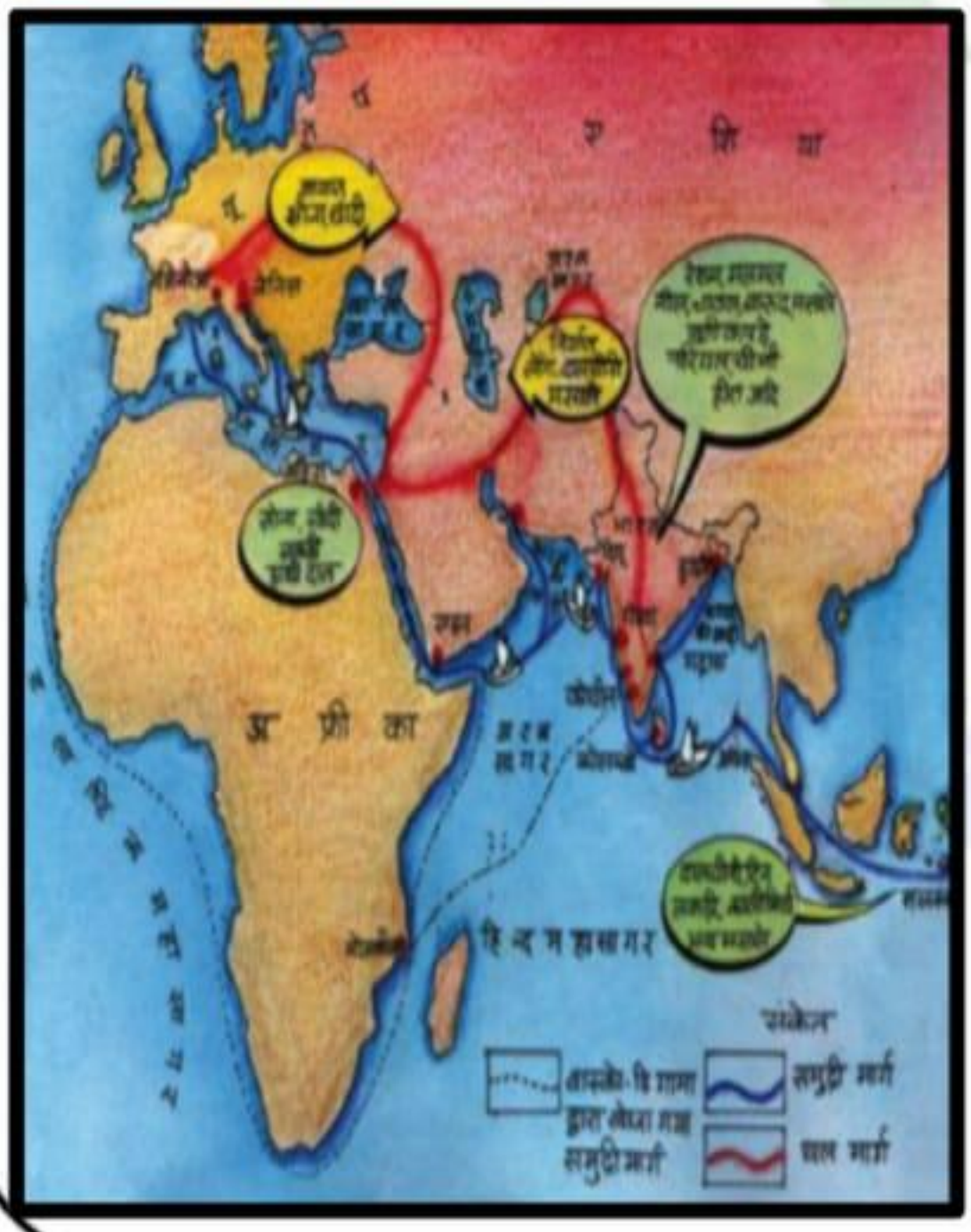

टॉपिक से संबंधित अभ्यास प्रश्न

प्रश्न नं.1- यूरोपीय शक्तियों ने भारत आना किस शताब्दी में प्रारंभ किया ?

प्रश्न नं.2-भारत और यूरोप के बीच व्यापारिक मार्गों की संख्या कितनी थी?

प्रश्न नं.3- भारत और यूरोप के बीच में प्रथम व्यापारिक मार्ग कौन सा था?

प्रश्न नं.4- भारत और यूरोप के बीच में दूसरे व्यापारिक मार्ग का नाम लिखिए?

प्रश्न नं.5- यूरोप में प्रमुख व्यापारिक केंद्र कौन-कौन से थे ?

प्रश्न नं 6- 15 वीं शताब्दी में तुर्कों ने किस देश पर अधिकार कर लिया था?

प्रश्न नं 7- भारत और यूरोप के बीच में तीसरे तीसरा व्यापारी मार्ग कौन सा था?

एक परिमेय संख्या को एक ऐसी संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसे p/q के रूप में व्यक्त किया जा सके, जहां p और q पूर्णांक हैं तथा $q \neq 0$
उदाहरण के लिए -2/5 एक परिमेय संख्या है जहाँ p= -2 तथा q=5 है।

★परिमेय संख्याओं पर संक्रियाएं :-

परिमेय संख्याओं पर जोड़ने, घटाने, गुणा और भाग की संक्रियाएं की जाती हैं।

◆परिमेय संख्याओं पर योग संक्रियाएं :- (a) जब हर समान हो -

(1) समान हर वाली परिमेय संख्याओं का योगफल = $\frac{\text{परिमेय संख्याओं के अंशों का योगफल}}{\text{समान हर}}$
(2) प्राप्त परिमेय संख्या को सरलतम रूप में लिखते हैं।

उदाहरण (1) 3/5 + (-13/5)
= (3-13)/5
= -10/5
= -2/1
= -2

★ अभ्यास हेतु प्रश्न ★

(1) 5/7 + (-3/7) (2) (-3/4)+(-7/4)
(3) (3/-5) + 6/5 (4) 5/4 + (-7/4)

(b) जब हर समान न हो -

यदि a/b और c/d मानक रूप में दो परिमेय संख्याएं हैं तो योग करने से पूर्व उन्हें क्रमश:p/q और r/q के रूप में व्यक्त करते हैं जहां पर b और d का ल0स0 q है।

उदाहरण (1) 1/4 + (-5/6)
= 3/12 + (-10/12)
= (3 - 10)/12
= (-7/12)

★ अभ्यास हेतु प्रश्न ★

(1) 5/7 + (-3/2) (2) (-3/4)+(-7/3)
(3) (3/-5) + 6/7 (4) 5/4 + (-7/12)

● संख्या रेखा द्वारा परिमेय संख्याओं पर योग संक्रिया का हल :-

उदाहरण (1) 3/5 + (-13/5)

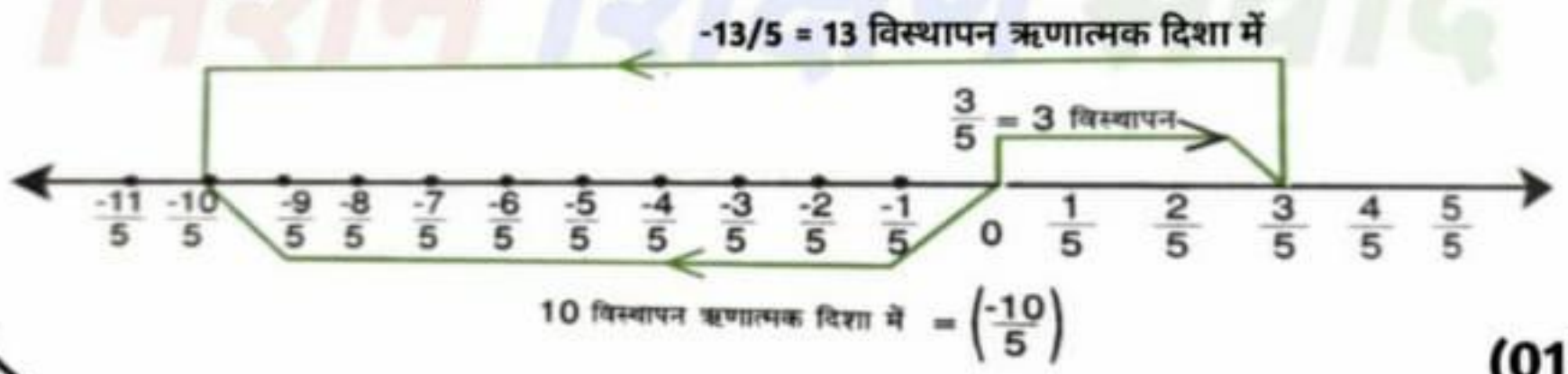

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, बी0के0टी0, लखनऊ)

How often we wish for another chance,
To make a fresh beginning.
A chance to blot out our mistaken,
And change failure into winning.

It does not take a new day,
To make a brand new start.
It only takes a deep desire,
To try with all our heart.

शब्दार्थ- Often- अक्सर, Wish- इच्छा, Another chance- एक और मौका, Fresh- ताजा, Beginning- प्रारम्भ, शुरुआत, Blot- धब्बा, Mistake- गलतियां, Failure- असफलता, Winning- जीत, Brand- किस्म, Start- शुरुआत करना, Desire- इच्छा, Heart- हृदय।

हिन्दी अनुवाद- कवि कहता है कि कितनी बार हम इच्छा जताते हैं एक और मौके की, एक नई शुरूआत करने की । एक मौका अपनी गलतियों को मिटाने का, और अपनी असपफलता को जीत में बदलने का।

एक नई शुरुआत करने के लिए हमे एक नए दिन की आवश्यकता नहीं होती। हमें सिर्फ एक गहरी, तीव्र इच्छा की आवश्यकता है, फिर से पूरे दिल से प्रयास करने की।

अभ्यास-कार्य

Q.1- Why do we wish for another chance?
Q.2- What does it take to make a brand new start ?
Q.3- What is the meaning of 'another chance'?
Q.4- Write three rhyming words for the words given below:
Eight _____, _____,. _____
Face _____, _____, _____
Chin _____, _____, _____
New _____, _____, _____
Q.5- Write the antonyms of the following words:
Success
Shallow
Never
End

वैदिक वन्दना

क्रमांक 01

तेजोऽसि तेजो मयि धेहि,
वीर्यमसि वीर्यं मयि धेहि।
बलमसि बलं मयि धेहि,
ओजोऽसि ओजो मयि धेहि।

शब्दार्थाः

तेज=पराक्रम।असि=-हो।मयि=मुझमें।
धेहि=धारण करायें।वीर्य=शौर्य।
बल=शक्ति।ओज=यशस्वी।

हे प्रभु! आप तेजवान अर्थात् पराक्रमी हैं।अपना तेज मुझमें भी धारण कराइये।
हे प्रभु! आप शौर्यवान हैं।अपना शौर्य मुझमें भी धारण कराइये।
हे प्रभु!आप बलवान हैं।अपना बल मुझमें भी धारण कराइये।
हे प्रभु!आप यशस्वी हैं।अपना ओज अर्थात् यश मुझमें भी धारण कराइये।

अतः हे प्रभु! आप तेजवान,वीर्यवान, बलवान,और ओजवान हैं।आप अपना तेज,वीर्य,बल और ओज मुझमें धारण कराइये।

गृहकार्य-
1-श्लोक का शुद्ध उच्चारण करते हुए आरोह-अवरोह, हाव-भाव के साथ करें।
2-अपनी उत्तर पुस्तिका में श्लोक, कठिन शब्दों के अर्थ व अर्थ लिखें।

क्रमांक

1 नज्म

उर्दू है जिसका नाम हमारी जबान है
दुनिया की हर जबान से प्यारी जबान है।
फिरको के रब्त व जब्त का है इस से
इन्तजाम।
कौमी यगानगी का है कायम इसी से नाम।
उर्दू बनी है मुस्लिम व हिन्दू के मेल से।
दोनों ने सर्फ इस पर दिमांग और दिल किये

نظم

اردو ہے جس کا نام ہماری زبان ہے
دنیا کی ہر زبان سے پیاری زبان ہے فرقوں
کے ربط و ضبط کا ہے اس سے انتظام
قومی یگانگی کا ہے قائم اسی سے نام
اردو بنی ہے ہندو مسلم کے میل سے
دونوں نے صرف اس پے دماغ اود دل کئے

खुलासा

इस नज्म मे शायर कहता है कि उर्दू जबान दुनिया की सबसे प्यारी और मीठी
जबान है। उर्दू से ही कौमी इत्तिहाद बना हुआ है। उर्दू जबान कौमो के मेलजोल और इत्तिहाद की मिसाल कायम करती है। उर्दू जबान हिन्दू और मुसलमानों के मेलजोल से बनी है और इसके मानी लश्कर के है इस जबान की तरक्की मे दोनो कौमो ने दिल और दिमांग से काम लिया है।

خلاصہ

اس نظم میں شاعر کہتا ہے کہ اردو زبان دنیا کی سب سے پیاری زبان ہے اردو سے ہی قومی اتحاد اور میل جول کی مثال قائم ہے اردو زبان ہندو اور مسلمانو ں کے میل جول سے بنی ہے اس زبان کے معنی لشکر کے ہیں زبان کی ترقی میں دونوں قوموں نے دل اور دماغ سے کام لیا ہے

सवाल के जवाब दीजिये

सवाल 1 اردو زبان کس کے میل سے بنی ہے ؟
सवाल 2دنیا کی ہر زبان سے پیاری زبان کون سی ہے ؟

निम्न प्रशनो के उत्तर लिखिये।

प्रशन 1 उर्दू जबान किस के मैल से बनी है?
प्रशन 2 दुनिया की हर जबान से प्यारी जबान कौनसी जबान है?

विषय- **विज्ञान** पाठ- 1- विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में नवीनतम प्रगति प्रकरण- **प्रथम** कक्षा - **8**

मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी संचार

1. संचार से अर्थ सूचना का आदान -प्रदान करना है।
2.संचार के प्रमुख क्षेत्र टेलीफोन, टेलीविज़न, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक डाक सेवा (e-mail) और इंटरनेट हैं।
3.ई-पोस्ट-भारतीय डाक में इलेक्ट्रॉनिक सेवा का शुभारंभ 2001 में किया गया है।
4.मोबाइल फोन तकनीक में 3जी व 4जी
5. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, wi-fi, wi-मैक्स तकनीक का प्रयोग दूर संचार के माध्यम हैं।
6. शिक्षा के क्षेत्र में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ICT का उपयोग किया जा रहा है।
7.अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आधुनिक उपग्रह भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह INSAT (इंडियन नेशनल सैटेलाइट) व भारतीय दूर संवेदी उपग्रह IRS (इंडियन रिमोट सैटेलाइट) हैं।
8.INSAT- दूरसंचार, दूरदर्शन प्रसार, मौसम विज्ञान, और प्राकृतिक आपदा चेतावनी के लिए है।
IRS- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए है।
9. उपग्रह प्रक्षेपण यान PSLV कहते हैं, इनके द्वारा IRS उपग्रह प्रक्षेपित किये जाते हैं तथा दूसरा GSLV अर्थात भू-स्थैतिक उपग्रह प्रक्षेपण यान द्वारा INSAT छोड़े जाते हैं।
10. भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डा० विक्र साराभाई की अध्यक्षता में 1962 में INCOSPAR व 15 अगस्त 1969 में ISRO (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान) का संगठन हुआ।
11.EDUSAT भारत का पहला शैक्षिक उपग्रह है।

इसरो isro

पृथ्वी की कक्षा में INSAT

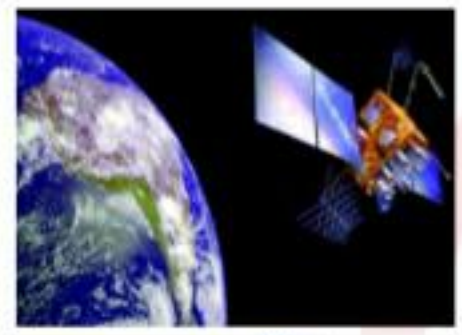

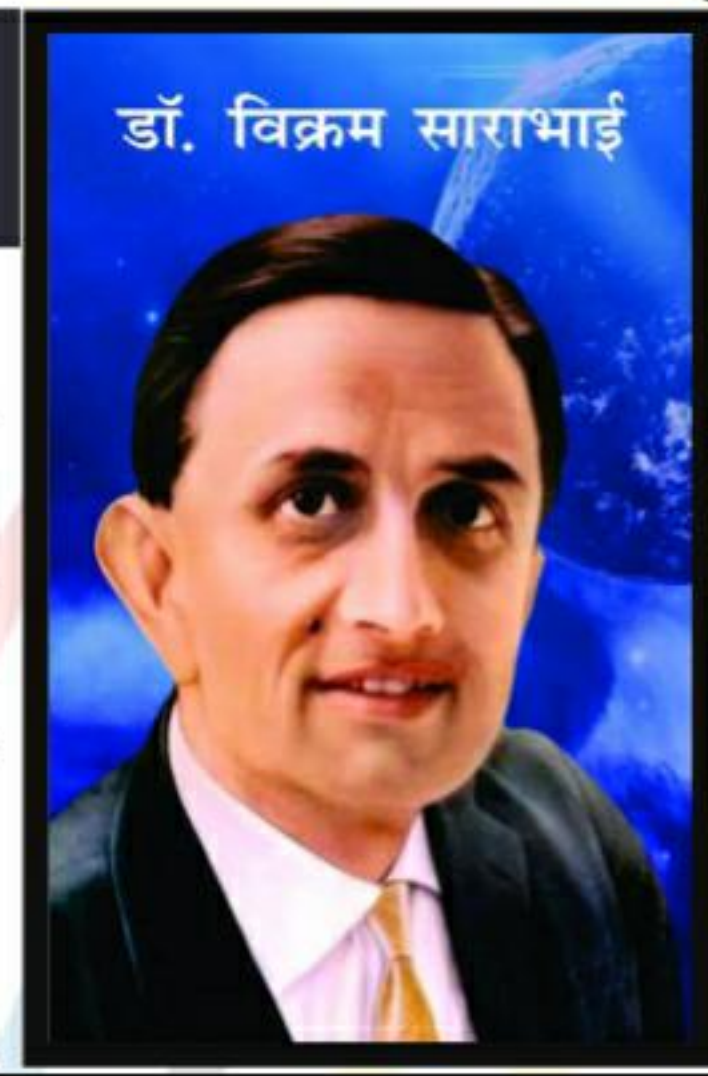

तकनीकी शब्द कोष

Email- electronic mail
3G- 3rd generation
4G-4th generation
Wi-Fi- wireless fidelity
Wi-max-(Worldwide Interoperability for Microwave Access (AXess)
ICT- information and communication technology
INCOSPAR-The Indian National Committee for Space Research
ISRO- Indian Space Research Organization
INSAT- Indian Satellite
IRS- Indian Remote Sensing Satellite
PSLV-Polar Satellite Launch Vehicle
GSLV-Geosynchronous Satellite Launch Vehicle
EDUSAT- Education Satellite

शिक्षा क्षेत्र में ICT

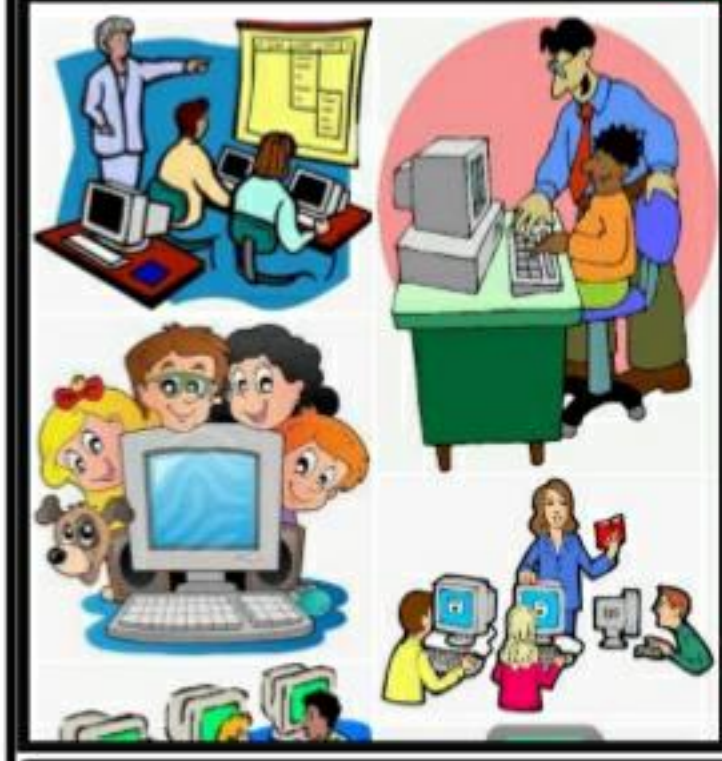

अभ्यास कार्य-

रिक्त स्थान की पूर्ति करें-
1.शिक्षा स्तर को सुधारने के लिए____ योजना को शुरू किया गया है।
2.IRS का प्रयोग____ के संरक्षण के लिए किया जाता है।
3.भारत ने___ प्रकार के उपग्रह प्रक्षेपण यान बनाये हैं।
4.3G व 4G __ के साधन हैं।

जोड़े मिलान-

सूची 'अ'	सूची 'ब'
1.वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग	1.2004
2.इलेक्ट्रॉनिक डाक सेवा आरम्भ	2.EDUSAT
3.भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम के जनक	3.संचार का माध्यम
4.ICT का आरम्भ	4.2001
5.शिक्षा समर्पित उपग्रह	5.डॉ विक्रम साराभाई

इन्हें भी जाने-
1.अंतरिक्ष में पहुँचने वाले प्रथम व्यक्ति- यूरी गागरिन
2.अंतरिक्ष में पहुँचने वाले प्रथम भारतीय- राकेश शर्मा
3.अंतरिक्ष में पहुचने वाली प्रथम भारतीय महिला- कल्पना चावला
4.भारत का प्रथम चालक रहित अंतरिक्ष विमान- लक्ष्य

प्रश्नोत्तरी-
1.ISRO का गठन कब हुआ ?
2.शिक्षा के क्षेत्र में ICT की क्या भूमिका है?

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- स्वाति सचान (स.अ.) यूपीएस-मुहारा,जखौरा,ललितपुर

वीणा वादिनी वर दे।

वर दे वीणावादिनी वर दे।
प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मन्त्र नव
भारत में भर दे!
काट अंध-उर के बंधन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष-भेद तम-हर, प्रकाश भर
जगमग जग कर दे!
नव गति, नव लय, ताल-छंद नव,
नवल कंठ, नव जलद - मन्द्ररव,
नव नभ के नव विहग-वृन्द को
नव-पर, नव-स्वर दे!

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

भावार्थ

(प्रस्तुत कविता जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित है, इसमें कवि ने वीणापाणी सरस्वती की वंदना करते हुए अज्ञानता को दूर करने तथा नवचेतना का प्रकाश फैलाने की कामना की है।)

हे माँ सरस्वती! हमें वरदान दीजिये। हे माँ! हम सबमें नव ज्ञान रूपी अमृत-मंत्र भर दीजिये। हे माँ सरस्वती! हमारे हृदय में स्थित अंधकार की जगह प्रकाश भरकर इसे जगमग कर दीजिये।

हे माँ सरस्वती! देश में प्रकाश की ऐसी धारा बहा दीजिये, जो सारी बुराइयों, पापों का नाश करने वाली हो।

हे माँ सरस्वती! देश की जड़ता भंग कर और देश में नयी गति, नया लय, नया ताल, नया स्वर दीजिये। पृथ्वी को नयी गति दीजिये, आकाश में विचरण करने वाले पक्षियों को नया स्वर दीजिये।

हे माँ सरस्वती! हमें वरदान दीजिये।

				कुछ प्रमुख कृतियाँ
जन्म	21 फ़रवरी 1896	उपनाम	निराला	परिमल, अर्चना, सांध्य काकली, अपरा, गीतिका, आराधना, दो शरण, रागविराग, गीत गूंज, अणिमा, कुकुरमुत्ता
निधन	15 अक्तूबर 1961	जन्म स्थान	मिदनापुर, बंगाल	विविध: छायावाद के चार प्रमुख स्तंभों में से एक। नवगीत के उद्भावक और प्रवर्तक।

शब्दार्थ

रव = ध्वनि, अमृत मन्त्र = ऐसे मन्त्र जो अमरत्व की ओर ले जायें, (कल्याणकारी मन्त्र) अंध-उर = अज्ञानपूर्ण हृदय कलुष = मलिनता, पाप, मन्द्ररव = गंभीर ध्वनि, विहग-वृन्द = पक्षियों का समूह,

अभ्यास प्रश्न

1. तालिका के खण्ड 'क' और खण्ड 'ख' से शब्द चुनकर शब्द-युग्म बनाइए

'क'	'ख'
वीणा -	वादिनि
स्वतन्त्र -	स्तर
अन्ध -	रव
विहग -	मन्त्र नव
ताल -	उर
बन्धन -	छन्द नव
अमृत -	मन्द्र रव
जलद -	वृन्द

2. कविता में भारत के लिए क्या वरदान माँगा गया है?

3. पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) काट अन्ध-उर के बन्धन-स्तर, बहा जननी, ज्योतिर्मय निर्झर।

(ख) कलुष-भेद तम-हर, प्रकाश भर, जगमग जग कर दे।

(ग) नव गति, नव लय, ताल-छन्द नव, नवल कंठ, नव जलद - मन्द्ररव।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

अंगूर का गुच्छा बनायें और रंग भरें।

1

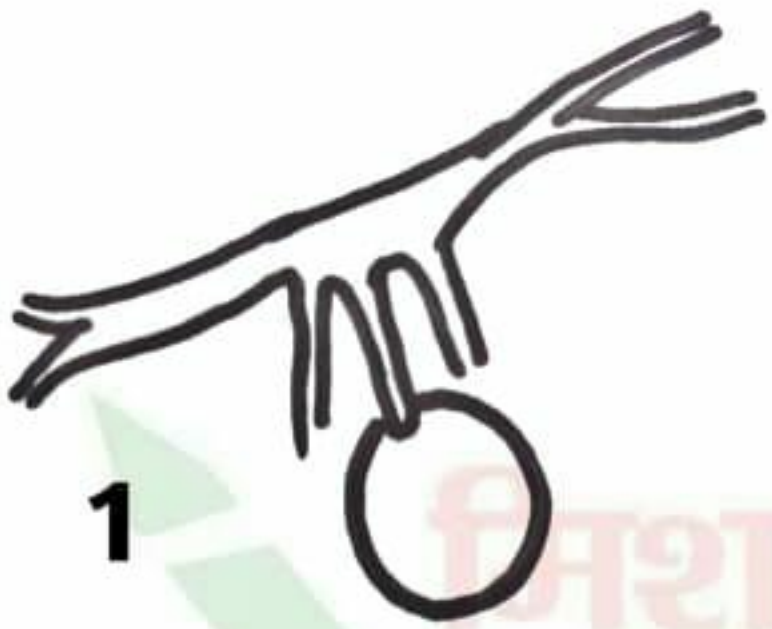

2

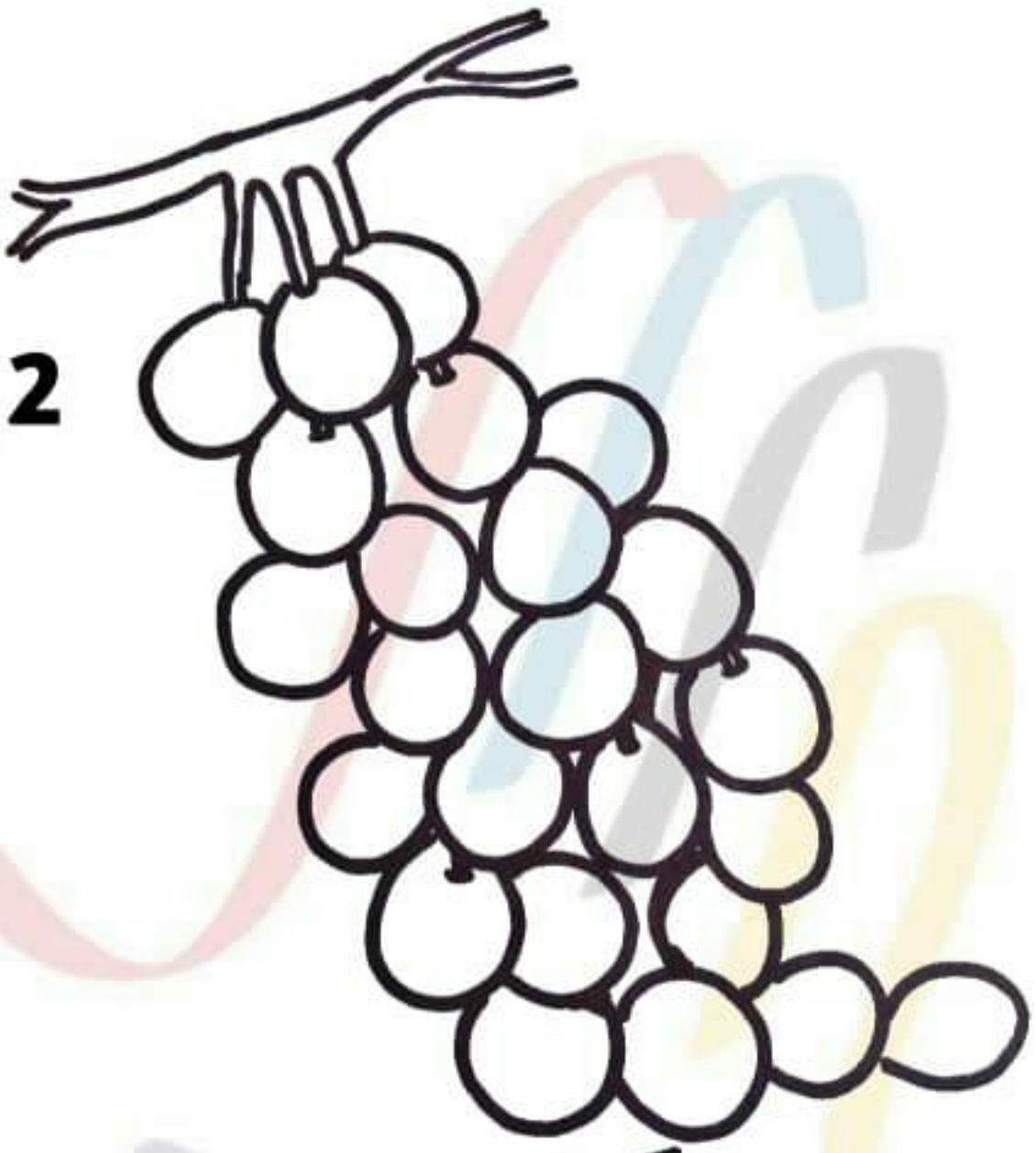

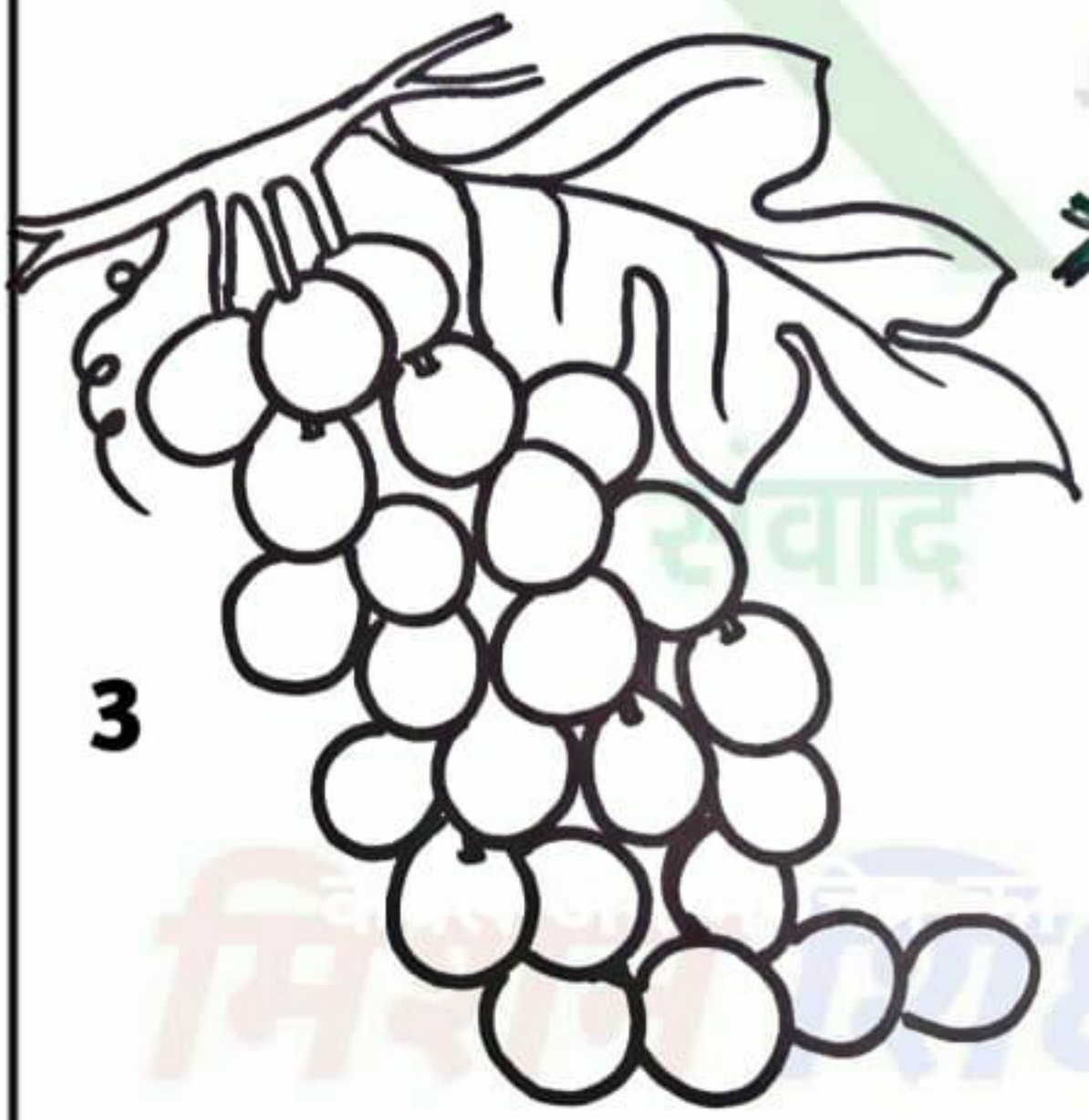

3

4

केवल अंतिम चित्र को अपनी कॉपी पर बनायें।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- चेतना सिंह (प्राथमिक विद्यालय इमरता) 9458278429

क्रमांक-01

निम्न चित्रों को ध्यान से देखें और समझें-

भाषा और व्याकरण

1-राम-श्याम फोन पर बातें कर रहे हैं।
2-रवि पत्र लिख रहा है।
3-ट्रैफिक लाइट संकेत दे रही है।

जब हम बोलकर,लिखकर व संकेतों के माध्यम से अपनी बात पहुँचाते हैं तो वह भाषा कहलाती है।

भाषा विचारों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है।

भाषा के रूप 1-मौखिक भाषा 2-लिखित भाषा 3-सांकेतिक भाषा

1-मौखिक भाषा- जब हम बोलकर अपने विचार प्रकट करते हैं या दूसरों के विचारों को सुनकर समझतें हैं तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।

2-लिखित भाषा- जब हम लिखकर अपने विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं या पढ़कर दूसरों के विचार जानते हैं तो वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

3-सांकेतिक भाषा- जब हम संकेतों से भावों को व्यक्त करते हैं या समझते हैं तो वह भाषा सांकेतिक भाषा कहलाती है।

लिपि-भाषा लिखने के लिए जिन चिन्हों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें लिपि कहते हैं। विभिन्न भाषाओं की लिपियाँ भिन्न होती हैं।

भाषाएँ	लिपियाँ
1-हिन्दी	देवनागरी
2-अंग्रेजी	रोमन
3- पंजाबी	गुरुमुखी
4- संस्कृत।	देवनागरी
5-अरबी	अरबी

गृहकार्य-1-भाषा समझें व शुद्ध उच्चारण करने का प्रयास करें।

व्याकरण - वह शास्त्र है जिसके द्वारा किसी भी भाषा के शुद्ध रूप का पूर्ण ज्ञान प्राप्त करते हैं।

व्याकरण के तीन अंग हैं

1-वर्ण 2-शब्द 3-वाक्य

वर्ण-भाषा की सबसे छोटी इकाई जिसके खण्ड नहीं किए जा सकते,वर्ण कहलाते हैं। जैसे--अ,आ,च,ट,र,आदि।

शब्द- वर्णों का सार्थक समूह शब्द कहलाता है। जैसे- अमन, भजन आदि।

वाक्य- शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहा जाता है। जैसे- हमें अपना काम स्वयं करना चाहिए।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj

आओ सुन्दर सा अन्नानास बनायें।

1

2

केवल अंतिम चित्र को अपनी कॉपी पर बनायें।

3

4

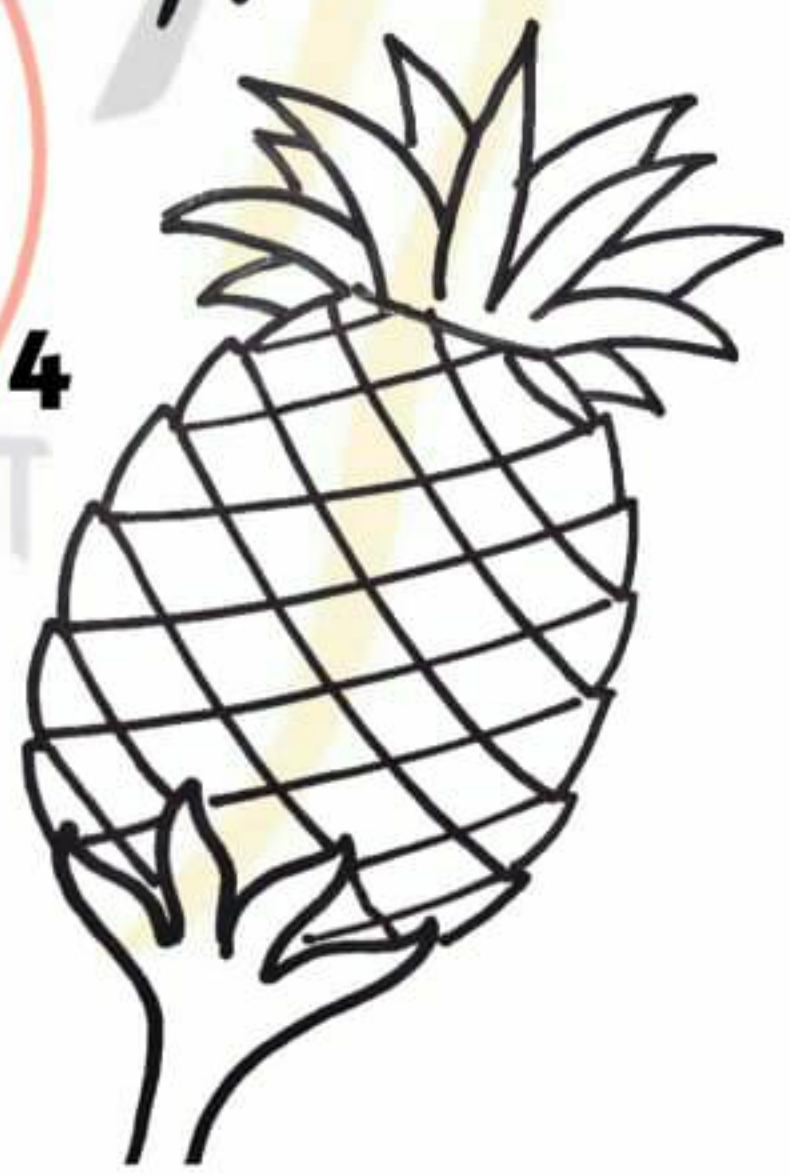

5

सूरजमुखी का फूल बनायें।

1

2

3

4

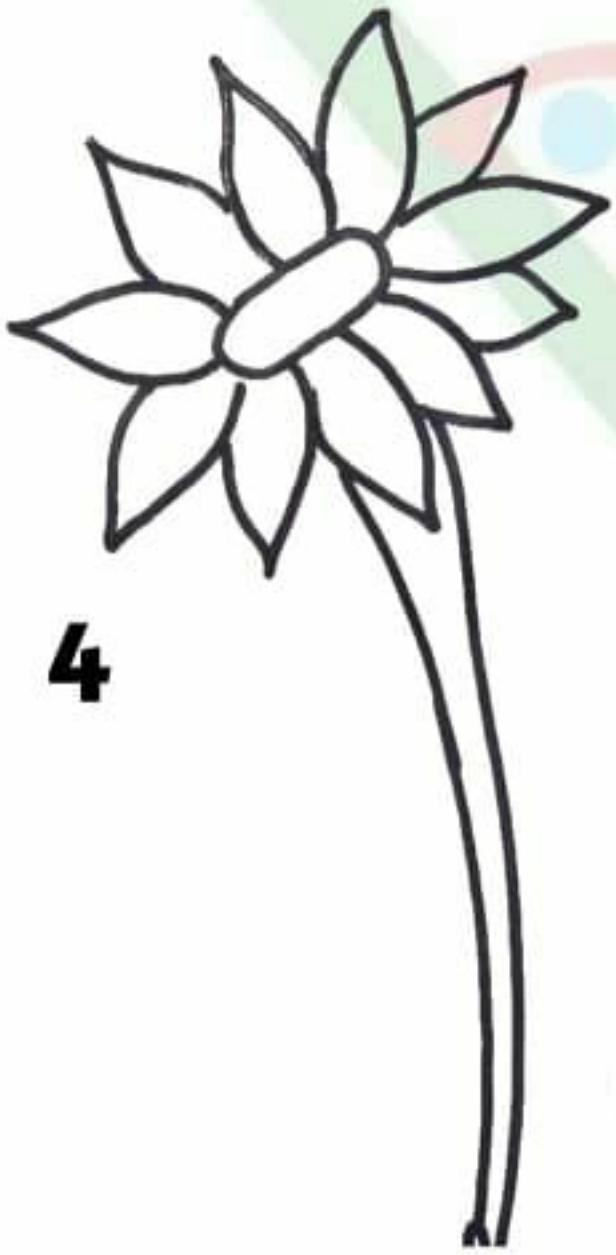

केवल अंतिम चित्र को अपनी कॉपी पर बनायें।

5

6

अपशिष्ट पदार्थ

वे पदार्थ एवं वस्तुएं जिनकी आवश्यकता हमें नहीं होती है तथा जिन्हें हम फेंक देते हैं उन्हें हम अपशिष्ट पदार्थ या कचरा कहते हैं।
कचरे के प्रकार---- कचरा तीन प्रकार का होता है।

ठोस अपशिष्ट

(क) सब्जी एवं फलों के छिलके
(ख) टूटे फूटे बर्तन
(ग) कांच
(घ) प्लास्टिक एवं लोहे के अनुपयोगी सामान
(ड) खेतों से निकलने वाले डंठल एवं भूसी आदि।

द्रव अपशिष्ट

(क) नालियों और सीवर का गन्दा पानी और उर्वरक
(ख) विभिन्न उद्योगों से निकलने वाला गन्दा और विषैला पानी।

गैसीय अपशिष्ट

(क) लकड़ी. तथा कोयले से निकलने वाला धुआं।
(ख) कारखानों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं
(ग) कार, बस , ट्रक आदि से निकलने वाला धुआं।
(घ) कुड़ा-करकट एवं मरे हुए जीवों से निकलने वाली गैसों की बदबू।

ई-कचरा

घर और आफिस से ई-कचरा अर्थात इलेक्ट्रॉनिक कचरा भी निकलता है जैसे-- कम्प्यूटर, मोबाइल, बैटरी , टी०वी०,फ्रिज, वाशिंग मशीन, ए०सी० आदि

अपशिष्ट संग्रह का प्रभाव

अपशिष्ट या कचरा अगर इकठ्ठे होते रहते हैं तो पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक होते हैं तथा मनुष्य के स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव डालते हैं।

भोपाल गैस त्रासदी

दिसम्बर 1984 में भोपाल युनियन काबाईड पेस्टीसाइड फैक्ट्री से मेथिल आइसो सायनाइड गैस का रिसाव हुआ। इस गैस ने लाखों को प्रभावित किया तथा हजारों पीड़ितों की मृत्यु हो गई। बहुत लोग अनेक बीमारियों जैसे - कैंसर, सांस फूलना आदि से ग्रसित हो गए।

डी०डी०टी० का प्रयोग

फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को नष्ट करने के लिए डी०डी०टी० का प्रयोग किया जाता है।यह रसायन कीटों के साथ-साथ मानव व दूसरे जीवों के लिए भी बहुत हानिकारक है यह लम्बे समय तक मिट्टी में रहता है और नष्ट नहीं होता है

मीनीमाता रोग

पारा एक धातु है जो सामान्य ताप पर तरल अवस्था में रहता है। यह आसानी से वाष्पीकृत होकर वातावरण में घुल जाता है और लम्बे समय तक बना रहता है यह सभी जीवों के तंत्रिका तंत्र, फेफड़ों और गुर्दों को नुकसान पहुँचाता है। 1950 में की एक फैक्ट्री ने मिनीमाता खाड़ी में पारे के कचरे को फेंक दिया।खाड़ी की मछलियों को खाने से वहां के लोग तंत्रिका तंत्र से संबंधित एक रोग से ग्रसित हो गए जिसे मिनीमाता रोग कहा जाता हैं।

गृह - कार्य

मिलान कीजिए

अ	ब
ठोस अपशिष्ट	कम्प्यूटर, मोबाइल
द्रव अपशिष्ट	तंत्रिका तंत्र
गैसीय अपशिष्ट	मेथिल आइसो साइनाइड
ई-कचरा	सीवर का पानी
मीनीमाता	कारखानों का धुआं
भोपाल गैस त्रासदी	पालीथीन

उत्तरमाला पेज- 03

1- मिट्टी (भूमि)
2- वायुमण्डल
3- 70%
4- पौधे

आइये! आज उच्चारण के आधार पर व्यंजनों के भेद जानें-

श्वांस वायु की मात्रा के आधार पर किए गए उच्चारण के आधार पर व्यंजनों के दो भेद हैं-

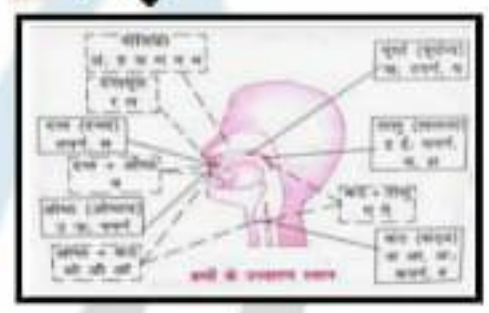

क-अल्पप्राण (Non-aspirated)
ख-महाप्राण (Aspirated)

क- अल्पप्राण- जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय श्वांस में वायु की मात्रा कम और धीमी निकलती है, उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहा जाता है।
जैसे-क्, ग्, ङ्, च्, ज्, द्, ड्, ण्, त्, द्, न्, प्, ब्, म्, य्, र्, ल्, व् ।

ख- महाप्राण- जिन व्यंजनों के उच्चारण में वायु अधिक मात्रा में जोर से निकलती है, उन्हें महाप्राण कहते हैं।
जैसे-ख्, घ, छ्, ठ्, ढ्, थ्, ध्, फ्, भ्, श्, ष्, स्, ह्।

वर्णों का उच्चारण स्थान- मुँह के जिस भाग से जिस वर्ण का उच्चारण किया जाता है, वह उस वर्ण का 'उच्चारण स्थान' कहलाता है।

उच्चारण स्थान	स्वर	वर्ण	ऊष्म	अंतस्थ	नाम
मुँह और नासिका	अ आ	क वर्ग	ह्	××××	कण्ठ्य
तालु	ई	च वर्ग	श्	य्	तालव्य
मूर्धा	ऋ	ट वर्ग	ष्	र्	मूर्धन्य
दन्त	××××	त वर्ग	स्	ल्	दन्त्य
ओष्ठ	उ ऊ	प वर्ग	××××	××××	ओष्ठ्य
कण्ठताल्	ए ऐ	अं ङ् ञ्	××××	××××	कण्ठ्तालव्य
मुख और नासिका	××××	ण् न् म्	××××	××××	मुखनासिक्य
कण्ठोष्ठ	ओ औ	××××	××××	××××	कण्ठोष्ठय
दन्तोष्ठ	××××	××××	××××	व्	दन्तोष्ठ्य

गाइडिंग की उत्पत्ति

24 दिसम्बर, 1909 को क्रिस्टल पैलेस, लंदन में ब्वाय स्काउट की रैली का आयोजन हुआ जिसमें 11000 स्काउट्स एकत्र हुए। जब सब स्काउट्स अपने निश्चित स्थान पर खड़े हुए तभी 7 लड़कियां खाकी वर्दी में मार्च करते हुए आईं और मैदान में खड़ी हो गईं। अचानक उन्हें देखकर आयोजक चकित हो गए। पूछने पर उनके लीडर ने उत्तर दिया कि हम गर्ल स्काउट हैं (क्योंकि उस समय बालकों को ब्वाय स्काउट कहा जाता था)। इन स्वयंभू गर्ल की लगन देखकर लार्ड बेडेन पावेल को लड़कियों के लिए भी संस्था खोलनी पड़ी जिसका नाम रखा गया गर्ल गाइड। इस प्रकार 1910 में लार्ड बेडेन पावेल की बहन मिस एगनिस बेडेन पावेल की सहायता से लड़कियों के लिए गाइडिंग की स्थापना हुई।

बहुत शीघ्र ही ब्वॉय स्काउट व गर्ल गाइड आन्दोलन विश्व के अनेक देशों में फैल गया। जहाँ-जहाँ अंग्रेजों का शासन था, वहां अंग्रेज बच्चों के लिए स्काउटिंग व गाइडिंग शुरू हो गई। अमेरिका में स्काउट आन्दोलन शुरू करने का श्रेय जे0डी0 विलियम वायस को है। विलियम इंग्लैण्ड में एक बालक (जो स्काउट था) के सेवा कार्य से प्रभावित हुए थे।

भारत में स्काउट गाइड का प्रारम्भ

भारत में वर्ष 1909 में स्काउटिंग और वर्ष 1911 में गर्ल गाइडिंग आरम्भ हुई। बंगलौर में पहला स्काउट ट्रुप और पहली गाइड कम्पनी खुली। अनेक शहरों में ट्रुप खुले जिनका सीधा सम्पर्क लंदन से था, परन्तु ये संस्थाएँ विदेशी बच्चों के लिए थीं।

श्रीमती एनी बेसेन्ट ने भारतीय बच्चों को भी स्काउटिंग में प्रवेश देने के लिए दिल्ली लेजिस्लेटिव एसेम्बली में जोरदार भाषण दिया। पंडित मदन मोहन मालवीय और डॉ0 हृदय नाथ कुंजरू ने भी इसके लिए प्रयास किया, परन्तु अंग्रेज सरकार पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। भारतीय बच्चों के लिए स्काउटिंग का द्वार बन्द ही रहा। अतः स्वतंत्र रूप से स्काउटिंग से मिलती-जुलती संस्थाएँ भारतीय बच्चों के लिए खोली गईं, जिसमें 1914 में एनी बेसेन्ट ने "सन्स एण्ड डॉटर्स ऑफ इण्डिया" नामक संस्था खोली, कुछ अन्य लोगों ने भी संस्थाएँ खोलीं। शाहजहाँपुर में पंडित श्रीराम बाजपेयी ने वर्ष 1914 में "लोक सेवा बालक दल" की स्थापना की जिसके अध्यक्ष मालवीय जी और सचिव पंडित हृदय नाथ कुंजरू थे। जे0 आई0 आईजक ने मद्रास में "ब्वाय शिकारी मूवमेन्ट" चलाया, वी0 आर0 चेयरमैन ने "स्कूल ब्वांॅय लीग ऑफ ऑनर" संस्था बनाई। भागलपुर (बिहार) में "ब्वॉयज लीग फॉर मोशन सर्विस" खुली। सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल, बनारस के हेडमास्टर डॉ0 जी0एस0 आशुतोष ने "कैडेट कोर" नामक संस्था खोली।

अभ्यास प्रश्न

1- अमेरिका में स्काउट आन्दोलन की शुरुआत किसने की थी?
2- प्रथम व्वाय स्काउट रैली का आयोजन किस वर्ष हुआ था?
3- भारत में स्काउट की शुरुआत कब हुई?

उत्तरमाला पेज 3

1. राबर्ट स्टीफेन्सन स्मिथ बेडेन पावेल
2. स्वयं करें।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

अपशिष्ट का निस्तारण

पर्यावरण में बढ़ता प्रदूषण मानव व अन्य जीवधारियों के लिए सबसे बड़ा ख़तरा है अतः कचरे का सही प्रबंधन तथा उसका निस्तारण करना स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिये बहुत जरूरी है इसके लिए **4R** बताए गए हैं

ठोस अपशिष्ट पदार्थों का निस्तारण

1- जलाकर

अस्पतालों से निकलने वाला ठोस कचरा संक्रमित होता है।इसलिए इसे विशेष प्रकार की भट्टियों में जलाना चाहिए।

2- भूमि भरण

ठोस कचरे को बंजर भूमि में दबा देना चाहिए

3- कम्पोस्टिंग

फलों एवं सब्जियों के छिलके, पत्तियाँ ,जानवरों का मल-मूत्र आदि गड्ढे में दबा कर मिट्टी से ढक देना चाहिए । यह कचरा **2-3** महीनों में जैविक खाद में बदल जाता है इसे कम्पोस्टिंग कहते हैं।

सार्वजनिक स्थानों पर हरे और नीले रंग के कूड़ेदान रखे जाते हैं हरे रंग के कूड़ेदान में गीला कचरा तथा नीले रंग में सूखा कचरा डाला जाता है।

गीला कचरा सूखा कचरा

द्रव अपशिष्ट का निस्तारण

द्रव अपशिष्ट को उपचारित करने के बाद जल स्रोतों में मिलाना चाहिए। शहरों में सीवेज सिस्टम से गंदे पानी का निकास होता है जब कि ग्रामीण क्षेत्रों में सोकपिट बनाया जाता है

गैसीय अपशिष्ट का निस्तारण

ईंट भट्ठों/उद्योगों की चिमनियों को ऊँचा करके तथा उनमें धूम्र अवक्षेपक लगाकर तथा घरेलू ईधन के रूप में एल०पी०जी० का प्रयोग करके गैसीय अपशिष्ट का निस्तारण किया जाता है।

गृह कार्य

1- R1 = _____. 2- R4=_____
3-कचरे का सही प्रबंधन एवं निस्तारण ____एवं_____ के लिए जरूरी है।
4- नीले रंग का कूड़ेदान ____कचरा5- हरे रंग का कूड़ेदान _____ कचरा
6- उद्योगों की चिमनियों को ऊँचा करके उसमें _____ लगाना चाहिए।

उत्तरमाला पेज -04

कबड्डी

कबड्डी एक ऐसा खेल है, जिसमे कई खेलें मिश्रित हैं. इसमें रेसलिंग, रग्बी आदि खेलों का मिश्रण देखने मिलता है, इसका मुकाबला दो दलों के बीच होता, ये जहाँ एक तरफ बहुत ही ज़बरदस्त खेल है वहीँ दूसरी तरफ़ कई कसरतों का मेल भी है, समय के साथ इस खेल का बहुत विकास हुआ है। आज ये ज़िला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेला जा रहा है। बहुत बड़े पैमाने पर खेले जाने की वजह से कई नौजवान कबड्डी में दिलचस्पी भी लेने लगे हैं, और अपने क्षेत्र के कबड्डी क्लब से जुड़कर कबड्डी के ज़रिये अपना भविष्य और अपनी पहचान बनाने की कोशिश में लगे है। इस खेल को विभिन्न जगहों में विभिन्न नाम से जाना जाता है। जैसे तमिलनाडु में कबड्डी को चादूकट्टू, बंगलादेश में हद्दू, मालद्वीप में भवतिक, पंजाब में कुड्डी, पूर्वी भारत में हू तू तू, आंध्र प्रदेश में चेडूगुडू के नाम से जाना जाता है. कबड्डी शब्द मूलतः एक तमिल शब्द 'काई- पीडी' शब्द से बना है जिसका मतलब है हाथ थामे रहना, तमिल शब्द से निकलने वाला शब्द कबड्डी उत्तर भारत में बहुत मशहूर है।

इस खेल का उद्भव प्राचीन भारत के तमिलनाडू में हुआ था। आधुनिक कबड्डी इसी का संशोधित रूप है, जिसे विभिन्न जगहों पर अन्य कई नामो से जाना जाता है। ये विश्वस्तरीय ख्याति सन 1936 में बर्लिन ओलिंपिक से मिली। सन 1938 में इसे कलकत्ता में राष्ट्रीय खेलों में सम्मिलित किया गया। सन 1950 में अखिल भारतीय कबड्डी फेडरेशन का गठन हुआ और कबड्डी खेले जाने के नियम मुक़र्रर किये गये। इसी फेडरेशन को 'अमैच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ़ इंडिया' के नाम से सन 1972 में पुनर्गठित किया गया। इसका प्रथम राष्ट्रीय टूर्नामेंट चेन्नई में इसी साल खेला गया।

कबड्डी को जापान में भी बहुत ख्याति मिली। वहाँ इस खेल को सुंदर राम नामक भारतीय सन 1979 में सबके सामने रखा। सुंदर राम उस समय 'अमैच्योर कबड्डी' के एशियाई फेडरेशन की जानिब से इस खेल को लेकर जापान गये थे। वहाँ उन्होंने लोगों के साथ मिल कर दो महीने तक इसका प्रचार किया। सन 1979 में इस खेल का भारत और बांग्लादेश के बीच का मुकाबला भारत में ही खेला गया। सन 1980 में इस खेल के लिए एशिया चैंपियनशिप का आग़ाज़ किया गया। जिसमे भारत ने बांग्लादेश को हरा कर इस टूर्नामेंट को जीता। इस टूर्नामेंट में इन दो देशों के अलावा नेपाल, मलेशिया और जापान भी थे। इस खेल को एशियाई खेल में सन 1990 में शामिल किया गया। इस दौरान इस खेल को बीजिंग में कई अन्य देशों के बीच मुकाबले के साथ खेला गया।

उत्तरमाला पेज 4

1. जे0 डी0 विलियम वायस
2. 24 दिसम्बर 1909 लंदन में।
3. 1909 में।

गतिविधि

मिलान करें -

तमिलनाडु	हू तू तू
बंगलादेश	कुड्डी
मालदीव	हद्दू
पंजाब	भवतिक
पूर्वी भारत	चाटूकट्टू

मिशन शिक्षण संवाद

झोपड़ी बनायें और रंग भरें।

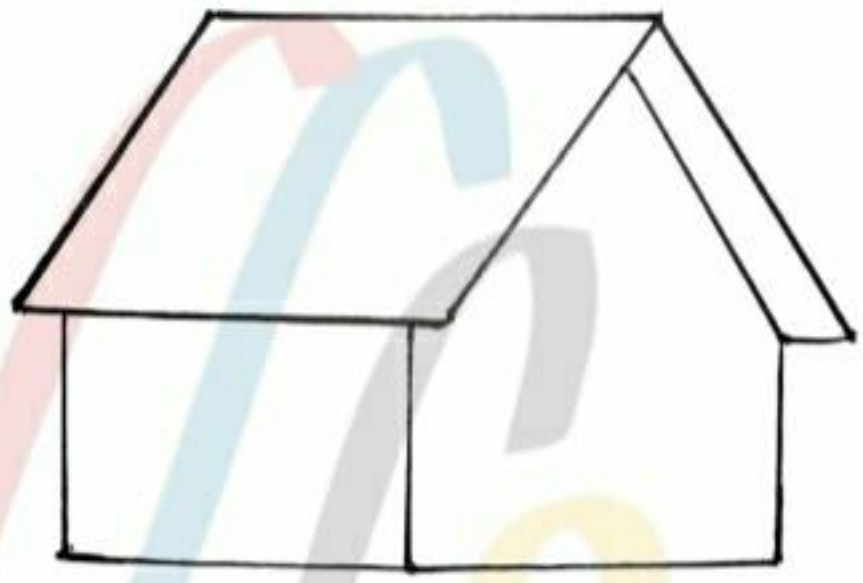

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्रा०वि०फुगाना-2 ,मुजफ्फरनगर 9458278429

अपशिष्ट पदार्थ

वे पदार्थ एवं वस्तुएं जिनकी आवश्यकता हमें नहीं होती है तथा जिन्हें हम फेंक देते हैं उन्हें हम अपशिष्ट पदार्थ या कचरा कहते हैं।
कचरे के प्रकार---- कचरा तीन प्रकार का होता है।

ठोस अपशिष्ट

(क) सब्जी एवं फलों के छिलके
(ख) टूटे फूटे बर्तन
(ग) कांच
(घ) प्लास्टिक एवं लोहे के अनुपयोगी सामान
(ड़) खेतों से निकलने वाले डंठल एवं भूसी आदि।

द्रव अपशिष्ट

(क) नालियों और सीवर का गन्दा पानी और उर्वरक
(ख) विभिन्न उद्योगों से निकलने वाला गन्दा और विषैला पानी ।

गैसीय अपशिष्ट

(क) लकड़ी, तथा कोयले से निकलने वाला धुआं ।
(ख) कारखानों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं
(ग) कार, बस , ट्रक आदि से निकलने वाला धुआं।
(घ) कूड़ा-करकट एवं मरे हुए जीवों से निकलने वाली गैसों की बदबू ।

ई-कचरा

घर और आफिस से ई-कचरा अर्थात इलेक्ट्रॉनिक कचरा भी निकलता है जैसे-- कम्प्यूटर, मोबाइल, बैटरी , टी०वी०,फ्रिज, वाशिंग मशीन, ए०सी० आदि

अपशिष्ट संग्रह का प्रभाव

अपशिष्ट या कचरा अगर इकठ्ठे होते रहते हैं तो पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक होते हैं तथा मनुष्य के स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव डालते हैं।

भोपाल गैस त्रासदी

दिसम्बर 1984 में भोपाल यूनियन काबाईड पेस्टीसाइड फैक्ट्री से मेथिल आइसो सायनाइड गैस का रिसाव हुआ। इस गैस ने लाखों को प्रभावित किया तथा हजारों पीड़ितों की मृत्यु हो गई। बहुत लोग अनेक बीमारियों जैसे - कैंसर, सांस फूलना आदि से ग्रसित हो गए।

डी०डी०टी० का प्रयोग

फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को नष्ट करने के लिए डी०डी०टी० का प्रयोग किया जाता है।यह रसायन कीटों के साथ-साथ मानव व दूसरे जीवों के लिए भी बहुत हानिकारक है यह लम्बे समय तक मिट्टी में रहता है और नष्ट नहीं होता है

मीनीमाता रोग

पारा एक धातु है जो सामान्य ताप पर तरल अवस्था में रहता है। यह आसानी से वाष्पीकृत होकर वातावरण में घुल जाता है और लम्बे समय तक बना रहता है यह सभी जीवों के तंत्रिका तंत्र, फेफड़ों और गुर्दों को नुकसान पहुँचाता है। 1950 में की एक फैक्ट्री ने मिनीमाता खाड़ी में पारे के कचरे को फेंक दिया।खाड़ी की मछलियों को खाने से वहां के लोग तंत्रिका तंत्र से संबंधित एक रोग से ग्रसित हो गए जिसे मिनीमाता रोग कहा जाता है।

गृह - कार्य

मिलान कीजिए

अ	ब
ठोस अपशिष्ट	कम्प्यूटर, मोबाइल
द्रव अपशिष्ट	तंत्रिका तंत्र
गैसीय अपशिष्ट	मेथिल आइसो साइनाइड
ई-कचरा	सीवर का पानी
मीनीमाता	कारखानों का धुआं
भोपाल गैस त्रासदी	पालीथीन

उत्तरमाला पेज- 03

1- मिट्टी (भूमि)
2- वायुमण्डल
3- 70%
4- सूर्य

स्काउट गाइड की जानकारी

वर्तमान स्काउटिंग गाइडिंग में प्रवेश से लेकर राष्ट्रपति अवार्ड तक निर्धारित विषयों व क्रियाकलापों में अधिकांश तथ्य हमारे देश में पूर्व से ही विद्यमान थे। हमारे ऋषि, मुनि, आचार्य प्रकृति की गोद में आश्रम बनाकर पठन-पाठन करते थे। उस समय अनेक ऐसी दक्षताएँ जिनका आधुनिक स्काउटिंग में समावेश किया गया है, का प्रयोग किया जाता था। उदाहरण के लिए कुटिया या तम्बू बनाना, सामग्री रखने के लिए गैजेट्स बनाना, बिना बर्तन के खाना बनाना, प्रकृति अध्ययन, पशु-पक्षियों का अध्ययन एवं उनसे मित्रता, टोली निर्माण, रात में अलाव जलाकर मनोरंजन करना आदि।

आधुनिक स्काउट गाइड आन्दोलन के जन्मदाता लार्ड बेडेन पावेल जिनका पूरा नाम राबर्ट स्टीफेन्सन स्मिथ बेडेन पावेल था, अंग्रेजी सेना के अधिकारी थे। उन्होंने बाल्यकाल से लेकर फौज के विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए विश्व के अनेक देशों में अपनी फौज के साथ रहकर युद्धों में भाग लेकर जो कुछ भी देखा एवं अनुभव किया, उसी से प्रेरित होकर स्काउटिंग का शुभारम्भ किया।

अभ्यास प्रश्न

प्र.1 स्काउटिंग के जन्मदाता का पूरा नाम क्या है ?

प्र. 2 स्काउट गाइड के प्रतीक चिन्ह का चित्र बनाएं।

उत्तरमाला पेज 2

1. मानसिक, नैतिक एवं सामाजिक।
2. 2 व 3 का उत्तर स्वयं लिखें।
4. (क) मानसिक
(ख) शारीरिक, मानसिक
(ग) जूडो, कराटे

प्रमुख घटनाक्रम

1. बेडेन पावेल बाल्यकाल में अपने भाइयों के साथ टोली बनाकर बाहरी जीवन, नौका चालन, समुद्र में
तैरना, शिविर लगाना, खाना पकाना व साहसिक क्रिया कलापों में भाग लेते थे। इस टोली के नायक उनके बड़े भाई थे।
2. बेडेन पावेल का स्कूल चार्टर हाउस जो प्रकृति की गोद में स्थित था, कक्षा कार्य न होने या अवकाश
के क्षणों में बेडेन पावेल जंगल में घुस जाया करते थे। वहीं कौतूहलवश व आनन्द के लिए पशु-पक्षियों को पकड़ने का प्रयत्न करना, उनकी हरकतों व बोलियों व उनके बनाए गए पद चिह्नों का अध्ययन करना, किसी भी चीज को देखकर उसका मतलब निकालना, अपने को छिपाकर, साँस रोककर, जमीन पर लेटकर रेंगते हुए उनका पीछा करना आदि अनेक कार्य करते थे, जो आगे चलकर विभिन्न युद्धों में बड़े सहायक सिद्ध हुए।
3. सेना के अफसर के रूप में भारत, अफ्रीका आदि देशों में वहाँ के रहने वाले लोगों के खानपान, रहन-सहन, रीति-रिवाजों, विभिन्न कबीलों की व्यवस्थाओं व उनके नियमों आदि को जानने का अवसर बेडेन पावेल को मिला।
4. नाइट्स जो एक तरह के स्काउट्स ही होते थे, उनकी नियमावली व कार्यकलापों को देखा।
5. 1899 में दक्षिण अफ्रीका के मेफकिंग, जो अंग्रेजों के अधीन था, उस पर बोअर (एक कबीला) ने हमला कर दिया। यहाँ अंग्रेज सैनिकों की संख्या काफी कम थी तथा हमलावर भारी संख्या में तथा साहसी थे, से मुकाबला करने की जो युक्ति प्रयोग में लाई गई, वही स्काउटिंग की उत्पत्ति का असली कारण बनी।

व्यंजन (Consonants) क्रमांक-04

व्यंजन- जिन वर्णों का उच्चारण करने में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, व्यंजन कहलाते हैं। ये स्वतंत्र नहीं होते है। जब किसी व्यंजन से स्वर हटा दिया जाता है तो उसके नीचे हलंत चिह्न(्) लगा दिया जाता है।
सामान्यतया सभी व्यंजनों में'अ' स्वर मिला होता है;
जैसे-क्+अ=क।

व्यंजन के भेद-
क- स्पर्श व्यंजन ख-अंतस्थ व्यंजन ग-ऊष्म व्यंजन

क- स्पर्श व्यंजन- वर्णमाला के 'क' से 'म' तक के व्यंजन स्पर्श व्यंजन कहलाते हैं।
इन्हें पाँच वर्गों में बाँटा गया है।प्रत्येक वर्ग में पाँच वर्ण हैं।
प्रत्येक वर्ग के प्रथम वर्ण के नाम पर उस वर्ग का नाम रखा गया है; जैसे-'क'वर्ग, 'च' वर्ग, 'ट' वर्ग।

ख-अंत:स्थ व्यंजन- ये चार होते हैं-
य र ल व
ग-ऊष्म व्यंजन- ये भी चार होते हैं-
श ष स ह

उच्चारण स्थान	व्यंजन						वर्ग	
कंठ	क	ख	ग	घ	ङ		(क वर्ग)	स्पर्श व्यंजन
तालु	च	छ	ज	झ	ञ		(च वर्ग)	
मूर्धा	ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़ ढ़	(ट वर्ग)	
दंत	त	थ	द	ध	न		(त वर्ग)	
ओष्ठ	प	फ	ब	भ	म		(प वर्ग)	
	य	र	ल	व			अंतस्थ व्यंजन	
	श	ष	स	ह			ऊष्म व्यंजन	

संयुक्त व्यंजन- जब दो व्यंजन परस्पर जुड़कर एक नया रूप ले लेते है, तब वे संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।
जैसे-क्ष= क्+ ष्+अ, त्र=त्+र्+अ
ज्ञ=ज्+ञ्+अ, श्र=श्+र्+क

गृहकार्य-
क-व्यंजन कितने प्रकार के होते हैं?
ख-ऊष्म व्यंजन में कौन-कौन से वर्ण आते हैं?
ग-स्मरण रखें व उत्तरपुस्तिका में लिखें-
घ-संयुक्त व्यंजन के नाम लिखें-